हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2012/45183

सज्जाद टाइम्स

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)

वर्ष–12, अंक–08 (प्रत्येक सोमवार) लखनऊ सोमवार 27 मार्च 2023 पृष्ठ–8, मूल्य– 01 रूपया

संक्षिप्त समाचार

पंजाब पुलिस ने काबू किया गोरखा बाबा का मददगार

एजेंसी

खन्ना। पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। गोरख बाबा को पनाह देने वाला खन्ना पुलिस ने काबू किया है। पुलिस ने मददगार बलवंत सिंह नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बलवंत सिंह ने गोरखा बाबा को अपने घर पनाह दी थी। बताया जा रहा है कि बलवंत सिंह कुहाली खुर्द का रहने वाला है। बलवंत सिंह ने गोरखा बाबा की मदद की थी। यहां यह भी बता दें कि गोरखा बाबा अमृतपाल का मुख्य गनमेन था। गौरतलब है कि पुलिस द्वारा ऑपरेशन अमृतपाल चलाया जा रहा है। कड़ी दर कड़ी परतें खुल रही हैं। आरोपी बलवंत सिंह से पूछताछ जारी है। बता दें कि पुलिस को तेजिंदर सिंह उर्फ गोरखा बाबा का 4 दिन का पुलिस रिमांड मिला हुआ है। पुलिस अपने स्तर पर बलवंत सिंह से जानकारी हासिल कर रही है।

भूकंप के झटकों से हिली बीकानेर की धरती

एजेंसी

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर में रविवार तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 मापी गई है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (छब्े) के मुताबिक, भूकंप के झटके सुबह लगभग 6.30 बजे महसूस किए गए। एनसीएस ने भूकंप से किसी तरह के जान–माल के नुकसान की पुष्टि नहीं की है। बता दें कि इससे पहले अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग में भी रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके सुबह लगभग 2.18 बजे महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.5 मापी गई।

देश में कोरोना वायरस ने फिर पकड़ी रफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के 1890 नए मामले सामने आए हैं जो कि 149 दिन में सबसे अधिक हैं। इसके बाद उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 9433 हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। देश में पिछले साल अक्टूबर में एक दिन में 2208 मामले सामने आए थे। मंत्रालय ने बताया कि सात और संक्रमितों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,30,831 हो गई है। इनमें से दो–दो मौतें महाराष्ट्र और गुजरात में 24 घंटे के दौरान हुई जबकि केरल ने पूर्व के रिकार्ड का मिलान करने के बाद तीन मरीजों की मौत की जानकारी दी।

नारी शक्ति ही भारत की प्राण वायु : पीएम मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि महिलाएं और बेटियां भारत के सपनों को पूरा कर रहे हैं और नारी शक्ति ही भारत की प्राण वायु है। पीएम मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात के 99 वें संस्करण में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहीं हैं और अपना अलग स्थान बना रही हैं। ऐसी सभी महिलाएं, बेटियां भारत और भारत के सपनों को ऊर्जा दे रही हैं। नारीशक्ति की ये ऊर्जा ही विकसित भारत की प्राणवायु है। उन्होंने कहा,'' यह नवरात्र का समय है, शक्ति की उपासना का समय है। आज, भारत का जो सामर्थ्य नए सिरे से निखरकर सामने आ रहा है, उसमें बहुत बड़ी भूमिका हमारी नारी शक्ति की है। हाल–फिलहाल ऐसे कितने ही उदाहरण हमारे सामने आये हैं। आपने सोशल मीडिया पर, एशिया की पहली महिला लोको पायलट सुरेखा यादव जी को जरुर देखा होगा। सुरेखा जी, एक और कीर्तिमान बनाते हुये वंदे भारत एक्सप्रेस की भी पहली महिला लोको पायलट बन गई हैं। प्रधानमंत्री ने ऑस्कर जीतने वाले गुनीत मोंगा और कार्तिकी गोंजाल्विस का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी डॉक्यूमेंट्री एलीफेंट विहस्पर्स ने ऑस्कर जीतकर देश का नाम रौशन किया है। उन्होंने कहा कि देश के लिए एक और उपलब्धि भाभा आणविक शोध केंद्र की वैज्ञानिक ज्योतिर्मयी मोहंती ने भी हासिल की है। सुश्री ज्योतिर्मयी को रसायन विज्ञान और रसायनिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आई यू पी ए सी का विशेष पुरस्कार मिला है। इस वर्ष की शुरुआत में ही भारत की अंडर –19 महिला क्रिकेट टीम ने टी–20 विश्व कप जीतकर नया इतिहास रचा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति में नई शुरुआत नागालैंड में हुई है। नागालैंड में 75 वर्षों में पहली बार दो महिला विधायक जीतकर विधानसभा पहुंची है। इनमें से एक को नागालैंड सरकार में मंत्री भी बनाया गया है। राज्य के लोगों को पहली बार एक महिला मंत्री भी मिली हैं। तुर्की में भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में राहत के लिए गई राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की महिला सदस्यों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके साहस और कुशलता की पूरी दुनिया में तारीफ हो रही है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत शांतिसेना में महिला पलटन की भी तैनाती की है। पीएम मोदी ने कहा कि देश की तीनों सेनाओं में भी महिलाएं शौर्य का झंडा बुलंद कर रही हैं। ग्रुप कैप्टन शालिजा धामी काम्बेट यूनिट में कमांड अपॉइंटमेंट पाने वाली पहली महिला वायुसेना अधिकारी बनी हैं। उनके पास करीब तीन हजार घंटे की उड़ान का अनुभव है। इसी तरह, भारतीय सेना की जांबाज कैप्टन शिवा चौहान सियाचिन में तैनात होने वाली पहली महिला अधिकारी बनी हैं। सियाचिन में जहाँ पारा शून्य से 60) डिग्री सेल्सियस तक चला जाता है, वहां शिवा तीन महीनों के लिए तैनात रहेंगी।

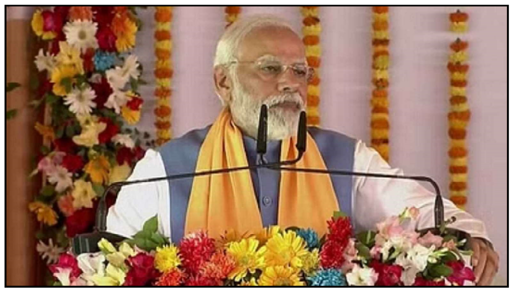

शाह बोले, हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने में आज भी हिचकती है तेलंगाना सरकार, संघर्ष करने वालों को भूली कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने उन लोगों को कभी याद नहीं किया, जिन्होंने ''क्रूर'' निजाम शासन से हैदराबाद की मुक्ति के लिए संघर्ष किया और अपने प्राणों की आहुति दी। जिले के गोरता गांव में गोरता शहीद स्मारक और देश के पहले गृहमंत्री दिवंगत सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार आज भी हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने में ''हिचकती है। केंद्रीय मंत्री शाह ने 9 मई, 1948 को गोरता में हुई बर्बर घटना को याद करते हुए कहा कि देश आजाद होने के बावजूद ''क्रूर निजाम ने 200 लोगों का नरसंहार किया था। शाह ने कहा कि यहां गोरता में क्रूर निजाम ने 200 से ज्यादा लोगों का नरसंहार किया, लेकिन कांग्रेस ने अपनी तुष्टीकरण की नीति के चलते उन लोगों को कभी याद नहीं किया, जिन्होंने हैदराबाद की मुक्ति के लिए संघर्ष किया और कुर्बानी दी। सरदार पटेल को श्रद्धाजंलि देते हुए उन्होंने कहा कि पटेल न होते तो हैदराबाद आजाद नहीं होता। शाह ने कहा कि तेलंगाना सरकार हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने से हिचक रही है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने इस दिन को भव्य तरीके से मनाने का फैसला किया है।

विपक्ष राहुल के साथ खड़ा, एकता की राह की पहली बाधा पार

एजेंसी

नयी दिल्ली। राहुल गांधी को संसद से अयोग्य करार दिए जाने के बाद विपक्ष ने एकता की पहली परीक्षा पास कर ली है। अब तक कांग्रेस से दूरी बनाकर चलने वाली बीआरएस, टीएमसी व आप ने भी इस मामले में राहुल को समर्थन दिया है। राहुल गांधी ने विपक्ष को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि यह सरकार से लड़ने के लिए एक हथियार साबित होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, आज यह नोट किया गया कि कई विपक्षी दलों ने राहुल गांधी को अयोग्य घोषित करने के लिए सरकार द्वारा की गई एकतरफा कार्रवाई की निंदा की है। हम सभी विपक्षी नेताओं के इस बयान का स्वागत करते हैं और हां, एक आम सहमति है कि अब हमें व्यवस्थित तरीके से विपक्षी एकता बनाने का काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हर दिन लोकसभा और राज्यसभा के नेताओं से मिलते रहे हैं, जब संसद का सत्र चल रहा होता है। इसलिए, हम संसद में समन्वय कर रहे हैं, अब समन्वय संसद के बाहर होना चाहिए और यह भी बहुत खुशी की बात है कि कुछ दल, जो संसद में इस सदन के समन्वय का हिस्सा नहीं थे, ने भी अब इस कार्रवाई की निंदा करते हुए सार्वजनिक बयान जारी किए हैं।

अप्रत्याशित हलकों से समर्थन कांग्रेस के लिए एक आश्चर्य के रूप में आया है, विशेष रुप से ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और के चंद्रशेखर राव से।

देश में 10 सालों में अंगदान करने वालों की संख्या में तीन गुनी वृद्धि हुई : मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज देश में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और पिछले 10 सालों में अंगदान करने वालों की संख्या में तीन गुनी वृद्धि हुई है। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बातश की 99वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए मोदी ने देशवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में अगदान के लिए सामने आने की अपील की। अंगदान करने वाले कुछ लोगों के परिजनों के अनुभव सुनने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि आपका एक फैसला कई लोगों की जिंदगी बचा सकता है, जिंदगी बना सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग अंगदान का इंतजार करते हैं वह जानते हैं कि इंतजार का एक–एक पल गुजरना कितना मुश्किल होता है और ऐसे में जब कोई अंगदान या देहदान करने वाला मिल जाता है तो उसमें ईश्वर का स्वरूप ही नजर आता है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में आज बड़ी संख्या में ऐसे जरूरतमंद हैं, जो स्वस्थ जीवन की आशा में किसी अंगदान करने वाले का इंतजार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के इस दौर में अंगदान किसी को जीवन देने का एक बहुत बड़ा माध्यम बन चुका है क्योंकि जब एक व्यक्ति मृत्यु के बाद अपना शरीर दान करता है तो उससे 8 से 9 लोगों को एक नया जीवन मिलने की संभावना बनती है।

सम्पादकीय

जय माता दी..

आजकल नवरात्रे चल रहे हैं। चारों तरफ मंदिर सजे हैं। वातावरण भक्तिमय और शुद्ध है। माता के जयकारे हैं, मंदिरों में भीड़ है, कइयों ने व्रत रखे हैं, हर कोई मंदिर में दर्शन करने जा रहा है। मुझे पिछले दिनों दतिया में पिताम्बरी माता और शारदा माता और फिर वृंदावन बांके बिहारी मंदिर, गीता मंदिर जाने का अवसर प्राप्त हुआ। हर मंदिर में आप बहुत ही आस्था, विश्वास और पूजा के साथ जाते हो। आज देश के सभी मंदिरों में सबकी बहुत आस्था है। लोग देश–विदेशों से बड़े भाव से आते हैं। मन की शांति और दर्शन के लिए। झंडे वाला मंदिर में बहुत सफाई और व्यवस्था है, जहां जाकर मन को शांति मिलती है। जिसका श्रेय वहां की मैनेजमेंट कमेटी को जाता है और खासकर आदरणीय कुलभूषणध्आहूजा जी को जाता है। छतरपुर मंदिर में भी सफाई और सिस्टम है, परन्तु जो बाबा नागपाल जी के समय थी वो भी अविसमरणीय है। माता वैष्णो देवी मंदिर में जाकर भी बहुत खुशी होती है। बहुत अच्छा सिस्टम है, बहुत सफाई है। भारत के मंदिरों में अब सफाई और आस्था बहुत बढ़ी है। परन्तु अभी भी कुछ मंदिरों में जाकर आपकी आस्था डगमगा जाती है, क्योंकि बहुत से मंदिरों में अभी भी सफाई नहीं। जब वहां बैठे पुरोहितों का लालच देखते हैं तो मन बहुत खराब होता है। इसलिए जैसे वैष्णो देवी माता का ट्रस्ट बना है, वैसे ही सभी मंदिर ट्रस्ट के अन्दर हो जाएं, ब्राह्मणों, पंडितों को जो वहां कर्मकांड करते हैं बहुत अच्छी मासिक तन्ख्वाह मिले। पूजा करने का सिस्टम हो, वहां कैमरे लगे हों, मंदिरों की सफाई हो और जो भी चढ़ावा चढ़े उससे जनकल्याण का कार्य हो। ऐसे करने से सिस्टम तो सही होंगे ही, लोगों की आस्था और, विश्वास कोध्ठेस नहीं लगेगी। बहुत से ब्राह्मण युवकों को रोजगार आस्था के साथ मिलेगा। जो युवा ब्राह्मण कर्मकांड जानते हैं, उन्हें मंदिरों में नियुक्त करना चाहिए। मंदिरों के आसपास से मांगने वालों को हटाना चाहिए। 2 दिन पहले जब में वृंदावन गई तो हमें दर्शन बहुत अच्छे हुए, पूजा भी बहुत अच्छे से हुई परन्तु वहां की भीड़ध्और कोई लाइन नहीं देखकर मन विचलित हुआ कि कभी भी यहां कोई हादसा हो सकता है, इसलिए वहां की व्यवस्था करने वालों से प्रार्थना है कि हर आम आदमी के लिए व्यवस्था बनाई जाए। उसके बाद स्वामी गीतानंद जी के गीता आश्रम जाने का अवसर मिला, जहां आज अवशेष स्वामी जी मंदिर की व्यवस्था और गुरुकुल चला रहे हैं। वहां लंगर प्रसाद खाया। वहां की सफाई व्यवस्था और आस्था देखकर बहुत ही प्रसन्नता हुई। गीता महाराज जी के अनुयायी बहुत ही अच्छे हैं और साथ ही व्यवस्था वो ही बहुत अच्छे से देख रहे हैं। वृंदावन मंदिर के बाहर छोटे–छोटे बच्चे जो आपके माथे पर राधे–राधे लिखते हैं वे बहुत प्यारे लगे क्योंकि वो मांग नहीं रहे, काम करके ले रहे हैं। बच्चों से काम कराना मना है, परन्तु जिस मासूमियत से वो काम कर रहे हैं वो निराली है। वहां पर स्थानीय हनुमान स्वरूपी बंध्दरों का बोलबाला है, जो बहुत ही समझादार हैं। स्थानीय लोगों को कुछ नहीं कहते परन्तु बाहर से आए भक्तों के चश्मे, फोन कुछ भी हाथ में हो बड़े प्यार से छीन लेते हैं। वापिस तभी देते हैं जब उन्हें फ्रूट के जूस का डिब्बा दिया जाए। एक तरह से भगवान के रूप में जूस वालों का बिजनेस चला रहे हैं। आजकल गुरु जी का बहुत बोलबाला है। मैंने जो अनुभव किया वहां सिस्टम है, सफाई है। शिव जी की पूजा होती है, गुरु जी तो हैं ही नहीं उनकी फोटो होती है। क्योंकि वहां खाने को मिलता है, किसी को खाने की मनाही नहीं, कोई कपड़ों की रोक–टोक नहीं। इसलिए हर तरह के लोग चाहे युवा, बुजुर्ग हो। अच्छे घरों की महिलाएं जुड़ रही हैं, क्योंकि नानक दुखिया सब संसार। सबको कुछ न कुछ दुख है और सबको ईश्वर की जरूरत है और ईश्वर किसी भी रूप में उनके सामने आ जाता है। यही नहीं जब हम खुजराहों से वापिस आ रहे थे तो हमारे साथ योगेश्वर बाबा साथ आए। एक युवा बाबा जो लाखों लोगों को प्रभावित कर रहा है।

बजट भी पारित हो गया

संसद के बजट सत्र के दौरान ही भारत की संसदीय प्रणाली का जो फजीता हो रहा है उसकी भारत के संसदीय इतिहास में दूसरी मिसाल मिलना कठिन है, बेशक पिछले बीस सालों के दौरान ऐसे कई मौके आये हैं जब बजट बिना बहस के ही पारित हुआ है। बजट सत्र की शुरूआत प्रायः राष्ट्रपति के अभिभाषण से होती है जिसके लिए संसद के दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन बुलाया जाता है जिसमें राष्ट्रपति 'अपनी' सत्तारूढ़ सरकार की नीतियों के बारे में बताते हैं। संसदीय लोकतन्त्र में इसका विशेष महत्व होता है क्योंकि राष्ट्रपति ही लोकसभा में बहुमत पाने वाली पार्टी या विभिन्न दलों के समूह को सरकार बनाने की अनुमति व स्वीकार्यता देते हैं। यह सरकार संसदीय नियमावली के तहत लोकसभा व राज्यसभा के भीतर जनता के प्रति अपने उत्तरदायित्व को निभाते हुए सरकार चलाती है और विपक्ष द्वारा उठाये गये विभिन्न सवालों का जवाब देती है। इसके द्वारा जो भी विधायी कार्य सदन के भीतर किया जाता है उसे विपक्ष की तसदीक के लिए प्रस्तुत किया जाता है और इस सम्बन्ध में विभिन्न पहलुओं पर खुल कर चर्चा होती है। सरकार का वित्तीय कार्य लोकसभा का विशेषाधिकार होता है जिसे 'मनी बिल' के रूप में माना जाता है। बजट या वित्त विधेयक इसका सबसे बड़ा हिस्सा होता है। अतः जब बजट ही लोकसभा में बिना किसी बहस या शोर– शराबे के बीच पारित कर दिया जाता है तो संसद की सार्थकता के बारे में देश की जनता के मन में सन्देह उठने लगते हैं और वह सोचने पर मजबूर होने लगती है कि हर पांच साल बाद होने वाले लोकसभा चुनावों के जरिये वह अपने जिन 543 प्रतिनिधियों को चुन कर भेजती है उनका वहां पहुंचने के बाद क्या काम होता है। इस सन्दर्भ में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि अल्पमत में बैठे विपक्षी सांसदों को संसद के भीतर वे ही अधिकार मिले होते हैं जो सत्तारूढ़ दल के सांसदों के पास होते हैं।

सत्ता और सामूहिक विपक्ष का टकराव

प्रेम शर्मा

भारतीय लोकतंत्र में यह दौर बहुत ही कठिनाई का प्रतीत हो रहा है। विपक्षी नेताओं पर ताबड़तोड सत्ता पक्ष के हमले से पूरा विपक्ष तिलमिला गया है। राहुलगांधी को सूरत कोर्ट से दो साल की सजा और संसद की सदस्यता समाप्त होने के बाद अप्रत्याशित रूप से इस मुद्दे में एकजुट होते विपक्ष ने भारतीय राजनीति में एक नई शुरूआत को जन्म दिया है। यॉ यू कहे कि देश की सबसे सर्वोच्च पार्टी के सबसे ताकतवर नेता के उपर सत्ता पक्ष द्वारा की गई कार्रवाई से चितिंत अन्य विरोधी दलों को यह महसूस हो गया है कि जब राहुलगांधी पर आज यह कार्रवाई हो सकती है तो कल उनकी बारी भी आ सकती है। यही कारण है कि अब तक सीबीआई, ईडी और अन्य जॉच एजेंसियों को लेकर अपनी अपनी तरह से अलग अलग विरोध करने वाली विपक्षी पार्टिया राहुलगांधी मामले के बाद सरकार पर हमलावर हो गई है। राहुल गांधी को सजा और सदस्यता समाप्ति के बाद भाजपा के केन्द्रीय मंत्री से लेकर मुख्यमंत्रियों द्वारा जिस तरह से राहुल गांधी पर बयानों का हमला किया जा रहा है वह इस बॉत का संकेत है कि इस मामले में कही न कही भाजपा से भी कुछ गल्तियॉ हुई है। सजा सुनाए जाने से पूर्व माफी न मांगने और तत्काल उच्च अदालत की शरण न लेने से यह तो जरूर आभास हो रहा है कि राहुल गांधी सत्ता पक्ष के इस निर्णय को अब जनता की अदालत में ले जा रहे है। यही नही पद यात्रा के दौरान राहुल गांधी को मिले समर्थन से लेकर देश में चल रहे महंगाई और बेरोजगारी को लेकर जनमानस में चल रहे द्वंद का आभास करके ही कांग्रेस अब सत्याग्रह का सहारा ले रही है। जनतंत्र की विशेषता यही है कि विजेता पार्टी सत्ता में शासन करती है, पर इसका मतलब यह नहीं हो सकता कि सत्ताधारी पार्टी के सभी निर्णय शत–प्रतिशत सही हों और बड़े समूह के लोगों के लिए लाभकारी भी हो। ऐसे में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है जो लिए गए निर्णयों को आम जनता के हितों से जोड़ कर देखता है और उचित संगठित विरोध करता है। किसी भी देश का शीर्ष नेतृत्व इस बात .से इंकार नहीं कर सकता है कि सत्ता सिर्फ पक्ष से नहीं, विपक्ष से भी चलती है। विगत कुछ वर्षों में जिस तेजी से विपक्ष राज्य और केंद्र में कमजोर हुआ है, कहीं न कहीं, जनता का हित भी उतना ही प्रभावित हुआ है और हम ऐसी राह पर बढ़ते चले जा रहे हैं जहां शायद विरोध के लिए कोई जगह नहीं है। यही हाल राज्य सरकारों का भी है जहां सुशासन से अधिक अपने प्रतिद्वंद्वी पाटियों की गतिविधियों को रणनीति बनाकर नियंत्रित किया जा रहा है। आज अनेकों लोगों से बात करेंगे तो उनकी बात विचार व्यवहार में मीडिया की अभूतपूर्व भूमिका देखने को मिलेगी। कई मीडिया आज सरकारों के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने लगे हैं जबकि कभी इनका मुख्य काम जनता के हितों के लिए कार्य करना होता था। यानि कि दो अलग–अलग विचारधारा, कार्य प्रणाली आज एक हो चुकी है जिसका परिणाम लोगों पर पडना शुरू हो गया है। लोग आज सोचने, समझने और तर्क करने की क्षमता का भी प्रयोग नहीं करते हैं। यह सच है कि हमेशा सत्ता पक्ष के सभी निर्णय शत–प्रतिशत सही हों यह जरूरी नहीं है पर विपक्ष का कमजोर होना, लिए गए निर्णयों में अपनी बात न रखना, स्वयं के कमजोर होने के साथ–साथ जनता को कमजोर करता है। सत्ताधारी पार्टी को 2019 लोकसभा चुनाव में 37.36 प्रतिशत (22.91 करोड़) वोट प्राप्त हुए थे। जबकि अन्य पार्टियों को 22.22 प्रतिशत (13.64 करोड़) कांग्रेस को 19.49 प्रतिशत (11.95 करोड़), वोट मिले थे। यानि कि सत्ताधारी पार्टी की तुलना में विपक्ष में कुल 62.64 प्रतिशत (38.44 करोड़) वोट मिले थे। ऐसे में जनता की आवश्यकता और मांग का मूल्यांकन कोई आसानी से नहीं कर सकता। वैसे भी राहुल गांधी पर हुई कार्रवाई के बाद विपक्ष के 14 दल सत्तारूढ़ भाजपा पर हमलावर हो गए है। सजा सुनाए जाने के 24 घंटे के अन्दर राहुल गांधी की सदस्यता समाप्ति के निर्णय भारतीय राजनीति के लिए एक नया उदाहरण बनकर सामने आया है। सबसे खास बॉत यह कि जिस कानून के तह्त राहुल गांधी की सदस्यता गई वह कानून 2013 में राहुल गाधी के हस्तक्षेप के बाद बना। आम नजरिये से देखा जाए तो अदालत ने सजा पर अमल करने से पहले राहुल को 30 दिन की मोहलत दी लेकिन लोकसभा सचिवालय ने सदस्यता रद्द करने में 24 घंटे का समय भी नही लगाया ? इस मामले में सत्ता पक्ष लगातार पिछड़ों के आपमान की बॉत कर रहा है इसका कांग्रेसी तर्क यह दे रहे है कि उन्होंने किसी जाति नही बल्कि एक सरनेमा का नाम लिया। उनके अनुसार राहुल गांधी का सवाल था कि मोदी सरनेम वाले ज्यादातर चोर है। हालांकि सत्ता पक्ष और विपक्ष के लगातार टकराव को लेकर जनमानस क्या सोच रहा है यह शतप्रतिशत कहना तो अतिश्योक्ति होगा लेकिन राहुल गांधी पर हुई इस कार्रवाई के बाद विपक्षी पार्टियों द्वारा राहुल को समर्थन मिलने से उनका पक्ष मजबूत जरूर हुआ है। इसके बाद कुछ सवाल जो अब तक अनुत्तरित है। क्या विपक्ष ये बात समझा पाएगा कि लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। क्या भाजपा यह बताने में कामयाब रहेगी कि हम कार्रवाई कर रहे हैं, इसलिए विपक्ष एकजुट हो रहा है ? यह सब संयोग है या एक राजनीतिक प्रयोग है ? इसकी गूंज 2024 लोकसभा चुनाव तक सुनाई देगी ? चुनाव करीब आ रहे है, तस्वीर बदल रही है। निश्चित तौर पर थोड़ा वक्त बीतने पर यह भी पता चलेगा कि जनता किसके साथ खड़ी हो रही है।

भूकंप की तैयारी सिर्फ इमारतों के बारे में नहीं है

डॉ सत्यवान सौरभ

सोशल मीडिया, टीवी चौनलों और अखबारों के जरिए आम लोगों के जान–माल को भूकंप से बचने के लिए सतर्क और सजग किया जा सकता है। भूकंप से जान–माल से बचाव न हो पाने की वजह यह भी है कि भूकंप आने का वक्त और अंतराल के बारे में वैज्ञानिक कुछ बता पाने की हालात में नहीं हैं। भूकंप आता है, तो लोग मनाते हैं कि वे बचे रहें, लेकिन कुछ साल गुजरता है और फिर भूल जाते हैं कि भूकंप फिर आ सकता है और उससे उनकी जान जा सकती है या गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। इसलिए मानसिक और आर्थिक दोनों तरह से भूकंप से बचने के लिए तैयार रहना जरूरी है। यह सोच कर हम नहीं बच सकते हैं कि ईश्वर जैसा चाहोगे वैसा ही होगा। और यह सोच बनाना भी ठीक नहीं कि इंसान के हाथ में कुछ भी नहीं है। यह सब खुद को तसल्ली देने के लिए तो हम कर सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सजगता और छद्म अभ्यास के जरिए बेहतर बचाव का उपाय हो सकता है। भारतीय भूभाग का लगभग 58% भूकंप की चपेट में है। भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा तैयार किए गए भारत के भूकंपीय जोनिंग मानचित्र के अनुसार, भारत को चार जोन – II, III, IV और V में विभाजित किया गया है। वैज्ञानिकों ने हिमालयी राज्य में संभावित बड़े भूकंप की चेतावनी दी है। भारत का भू–भाग बड़े भूकंपीय तथ्य/ प्रतिक्रिया व्यक्त करता है, विशेष रूप से हिमालयी प्लेट सीमा, जिसमें बड़ी भूकंपीय घटना (7 और अधिक परिमाण) की क्षमता है। भारत में भूकंप का मुख्य कारण इंडियन प्लेट के यूरेशियन प्लेट से टकराने के कारण होते हैं। इस अभिसरण के परिणामस्वरूप हिमालय पर्वत का निर्माण हुआ है, साथ ही इस क्षेत्र में लगातार भूकंप आ रहे हैं। भूकंप की तैयारी पर भारत की नीति मुख्य रूप से संरचनात्मक विवरण के पैमाने पर संचालित होती है। यह नेशनल बिल्डिंग कोड द्वारा निर्देशित है। इसमें स्तंभों, बीमों के आयामों को निर्दिष्ट करना और इन तत्वों को एक साथ जोड़ने वाले सुदृढीकरण के विवरण शामिल हैं। यह उन भवनों की उपेक्षा करता है जिनका निर्माण 1962 में ऐसे कोड प्रकाशित होने से पहले किया गया था। ऐसी इमारतें हमारे शहरों का एक बड़ा हिस्सा हैं। यह प्रवर्तन की प्रक्रियाओं में अचूकता मानता है। यह केवल दंड और अवैधताओं पर निर्भर करता है। यह भूकंप को व्यक्तिगत इमारतों की समस्या के रूप में मानता है। यह मानता है कि इमारतें मौजूद हैं और उनके शहरी संदर्भ से पूर्ण अलगाव में व्यवहार करती हैं। मौजूदा ढांचों की रेट्रोफिटिंग और अधिक दक्षता के साथ भूकंपीय कोड लागू करने के लिए कर–आधारित प्रोत्साहनों की एक प्रणाली बनाने की आवश्यकता है। यह अच्छी तरह से प्रशिक्षित पेशेवरों और सक्षम संगठनों का एक निकाय तैयार करेगा। सोशल मीडिया, टीवी चौनलों और अखबारों के जरिए आम लोगों के जान–माल को भूकंप से बचने के लिए सतर्क और सजग किया जा सकता है। भूकंप से जान–माल से बचाव न हो पाने की वजह यह भी है कि भूकंप आने का वक्त और अंतराल के बारे में वैज्ञानिक कुछ बता पाने की हालात में नहीं हैं। भूकंप आता है, तो लोग मनाते हैं कि वे बचे रहें, लेकिन कुछ साल गुजरता है और फिर भूल जाते हैं कि भूकंप फिर आ सकता है और उससे उनकी जान जा सकती है या गंभीर रूप से घायल हो सकते हैं। इसलिए मानसिक और आर्थिक दोनों तरह से भूकंप से बचने के लिए तैयार रहना जरूरी है। यह सोच कर हम नहीं बच सकते हैं कि ईश्वर जैसा चाहोगे वैसा ही होगा। और यह सोच बनाना भी ठीक नहीं कि इंसान के हाथ में कुछ भी नहीं है। यह सब खुद को तसल्ली देने के लिए तो हम कर सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सजगता और छद्म अभ्यास के जरिए बेहतर बचाव का उपाय हो सकता है। जापान इस मामले में एक अच्छा उदाहरण है।

लोकसभा चुनाव खातिर बनी बीजेपी की नई टीम

सभी समीकरण और पहलुओं का रखा ख्याल, अल्पसंख्यक टीम में नदारद

संवाददाता

लखनऊ। 2024 में लोकसभा चुनाव होने है। वही अगले 3 महीने में स्थानीय निकाय के चुनाव भी होंगे जो लोकसभा का सेमीफाइनल माने जा सकते हैं। केंद्र में सरकार के लिए यूपी फतह जरूरी है। यूपी में लोकसभा की 80 सीटें हैं जो दिल्ली की सल्तनतदिलाने की कूबत रखते हैं। बीजेपी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते प्रदेश संगठन की टीम बनी है। 51 पदाधिकारियों के नामों की कल 25 मार्च को घोषणा हुई। प्रदेश टीम में 45 प्रदेश पदाधिकारियों के अलावा 6 क्षेत्रों के क्षेत्रीय अध्यक्षों की भी घोषणा की गई है। लिस्ट में 25 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। अगड़े, पिछड़े और दलितों का प्रतिनिधित्व देकर संतुलित टीम बनाने की कोशिश हुई है।यूपी के भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की टीम में सभी पदाधिकारी हिंदू हैं, मुस्लिम या अन्य धर्म से आने वाले को जगह नहीं मिली है। भूपेंद्र चौधरी की टीम में जातिगत समीकरण का खयाल रखा गया है। नई टीम में 10 ब्राह्मण, 10 ओबीसी, 9 अनुसूचित जाति, 7 राजपूत सहित अन्य जातियों का प्रतिनिधित्व रखा गया है।ब्राह्मणों में 4 उपाध्यक्ष, 1 महामंत्री, 3 मंत्री, 1 मुख्यालय प्रभारी और 1 क्षेत्रीय अध्यक्ष शामिल हैं। 9 पदाधिकारी दलित वर्ग से आते हैं।ओबीसी समाज से 10 नेताओं को टीम में जगह

मिली है, जिसमें 1 यादव समाज से, 2 मौर्या समाज और 1 लोधी समाज से हैं, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल दोनों पिछड़े वर्ग के हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बदलाव किया गया है। काशी क्षेत्र के अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव और प्रभारी महामंत्री सुब्रत पाठक टीम में नही है। कन्नौज से सांसद सुब्रत पाठक काशी क्षेत्र के प्रभारी थे लेकिन उन्हें जगह नहीं दी गई है। शायद कन्नौज जैसी महत्वपूर्ण सीट पर 2024 में फोकस करने के लिए सुब्रत पाठक को संगठन की जिम्मेदारी से दूर रखा गया है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म होने के बाद घोषित बीजेपी की प्रदेश टीम में एक नाम पूर्व मंत्री सुरेश पासी का, जो राहुल गांधी की सीट रही अमेठी से आते हैं। राहुल गांधी 2019 में अमेठी से स्मृति ईरानी से हार गए थे। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में मंत्री रहे सुरेश पासी को प्रदेश टीम में रखा गया है। पासी को योगी के दूसरे कार्यकाल में मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया था। दलितों में पासी समाज से आने वाले सुरेश पासी को अब संगठन में लाया गया है।2024 के लोकसभा चुनाव में अमेठी सीट के महत्व को देखते हुए पासी का प्रदेश टीम में लिया गया है। आना रणनीति का हिस्सा मालूम पड़ता है। संगठन के लिहाज से बीजेपी ने 6 क्षेत्रों में बांटा है। 6 मे एक क्षेत्रीय अध्यक्ष के निधन के बाद जो 5 क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछली टीम में थे, उनमें 3 क्षेत्रीय अध्यक्षों को उपाध्यक्ष बना दिया है।कानपुर से मानवेन्द्र सिंह, पश्चिम क्षेत्र मोहित बेनीवाल और गोरखपुर से धर्मेद्र सिंह को प्रमोट किया गया है। 2 प्रदेश मंत्रियों को उपाध्यक्ष और 2 प्रदेश मंत्री को संगठन में महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है 7 ऐसे चेहरे हैं, जो पहली बार टीम में शामिल किए गए। टीम में कई ऐसे चेहरे हैं जो वर्तमान में जनप्रतिनिधि है य रह चुके हैं।

वीएचपी अध्यक्ष पर भू माफिया ने किया हमला

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ मे थाना गुडंबा के अंतर्गत सुरेंद्र सिंह विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष (भरत नगर पश्चिम) व पेशे से अधिवक्ता पर भू माफिया कमलेश यादव ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। सुरेंद्र सिंह ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि उनके संगठन में कल्लू कोरी सह प्रमुख गो सेवक के पद पर है तथा कमलेश यादव कल्लू कोरी की जमीन पर कब्जा करने की नियत से कई बार प्रयास कर चुका है। जिसकी सूचना प्रशासन को दी जा चुकी है जिसकी जांच चल रही है इस क्रम में कमलेश यादव ने सुरेंद्र सिंह को पूर्व में धमकाया भी था कि कल्लू की मदद करने की कोशिश की तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। कमलेश यादव खुद को भारतीय किसान श्रमिक जनशक्ति यूनियन का प्रदेश अध्यक्ष बताता है। आगे सुरेंद्र सिंह बताते हैं जब हम कमलेश की धमकी से नहीं डरे तो उसने अपने साथियों के साथ दिनांक 23 मार्चशाम लगभग 5:50 पर मेरा मार्ग रोक कर हाथापाई करने लगे तथा मेरे गले की चेन छीन ली विरोध करने पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया।

हरे रंग में रंगा 51 शक्तिपीठ

संवाददाता

लखनऊ। नन्दना बीकेटी स्थित इक्यावन शक्तिपीठ में चल रहे नवरात्र महोत्सव में रविवार को मां स्कन्दमाता की पूजा अर्चना हुई। इस मौके पर मां का हरिताम्बर श्रंगार किया गया। मां के वस्त्र हरे रंग के थे तो पूरा मन्दिर हरे रंग की रोशनी से जगमगा रहा था। शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें पुष्पा दीक्षित ने 'स्वीकार करो जगदम्बे मां मेरी आरती' भजन सुनाया। मन्दिर की अध्यक्ष तृप्ति तिवारी ने बताया कि आज पीण्डी पूजन आचार्य मयंक पाण्डेय और वन्दना पाण्डेय ने किया।

आरिफ को सम्मानित करेगी अधिकार सेना

संवाददाता

लखनऊ। अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गौरीगंज, अमेठी निवासी आरिफ को सारस के साथ दोस्ती कर उसे सहारा दिए जाने के मामले में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर नोटिस दिए जाने की कड़ी भर्त्सना करती है और इसे पूरी तरह से गैरकानूनी मानती है।उन्होंने कहा कि आरिफ ने भारतीय विचारों में वसुधैव कुटुंबकम की भावना को वास्तविक मूर्त रूप प्रदान किया है।अधिकार सेना अमेठी की टीम उनके गांव जाकर उन्हें सम्मान पत्र देगी और उन्हे 2024 लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी होने का ऑफर भी देगी।

सुनहरी शाम सांवरिया के नाम का आयोजन 3 अप्रेल को, धूमधाम से मनेगा श्री श्याम प्रभु का उत्सव

संवाददाता

लखनऊ। श्री श्याम भक्त परिवार की ओर से सुनहरी शाम सांवरिया के नाम का आयोजन 3 अप्रैल को माधव सभागार, निराला नगर में किया जायेगा। मीडिया प्रभारी मोहित मित्तल ने बताया कि उत्सव की शुरुआत श्री श्याम प्रभु खाटू वाले के भव्य भजनोत्सव से होगी। भजनों की धमाल शाम 7 बजे शुरु होगी जो प्रभु की इच्छा तक चलेगी उन्होंने बताया कि माधुर्य रस धारा को

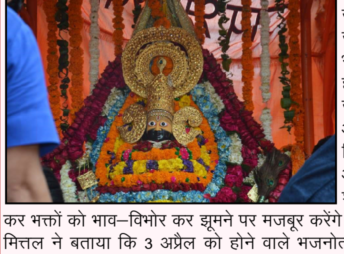

प्रवाहित करने के लिए खलीलाबाद से श्याम जगत के विश्व विख्यात भजन प्रवाहक सरदार हरमहेंद्र सिंह रोमी, जयपुर के दलजीत सिंह और लखनऊ के पवन मिश्रा आ रहे हैं सभी अपने भजनों के रस से श्याम प्रभु का गुणगान कर भक्तों को भाव–विभोर कर झूमने पर मजबूर करेंगे। मीडिया प्रभारी मोहित मित्तल ने बताया कि 3 अप्रैल को होने वाले भजनोत्सव के लिए श्याम प्रभु का भव्य व मनोहारी दरबार बनाने के लिए कोलकाता के कारीगरों को बुलाया जा रहा है जो बाबा श्याम का भव्य व मनोहारी दरबार सजायेंगे। प्रेम अग्रवाल ने बताया कि दरबार में विराजमान बाबा श्याम के श्रंगार के लिए दिल्ली एवं कोलकाता के कारीगरों द्वारा देशी–विदेशी फूलों एवं विभिन्न प्रकार की मेवे की माला तैयार करायी जा रही है जिससे बाबा श्याम का श्रंगार होगा।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने किया 'संकल्प सत्याग्रह

संवाददाता

लखनऊ। कांग्रेस ने राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के बाद उनके समर्थन में रविवार को राजधानी लखनऊ में कांग्रेस पार्टी ने संकल्प सत्याग्रह शुरू किया। संकल्प सत्याग्रह कायक्रम में उत्तर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष समेत सैकडों कांग्रेस कार्यकताओ ने शांति पूर्व तरीके से भाजपा सरकार का विरोध किया।देश की राजधानी दिल्ली के राजघाट पर एकदिवसीय 'संकल्प सत्याग्रह शुरु किया। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल, पी चिदंबरम और सलमान खुर्शीद समेत कई नेता राजघाट पर सत्याग्रह में शामिल हुए। धरना स्थल पर जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, पवन कुमार बंसल, शक्तिसिंह गोहिल, ज्योतिमणि, प्रतिभा सिंह और मनीष चतरथ भी मौजूद थे। पुलिस ने राजघाट पर सत्याग्रह की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इसके बावजूद पार्टी के कई नेताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया और परिसर के बाहर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए। दिल्ली पुलिस ने एक पत्र में कहा कि कानून–व्यवस्था एवं यातायात संबंधी कारणों से सत्याग्रह करने के अनुरोध को खारिज किया गया और राजघाट में एवं इसके आसपास दंड

प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सत्याग्रह की अनुमति नहीं दी गई है और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस के इस कदम का जवाब देते हुए वेणुगोपाल ने ट्वीट किया, "संसद में हमें चुप कराने के बाद सरकार ने हमें बापू (महात्मा गांधी) की समाधि पर शांतिपूर्ण सत्याग्रह करने की अनुमति देने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा, "विपक्ष के किसी विरोध प्रदर्शन के लिए मंजूरी नहीं देना (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी सरकार की आदत बन गई है। इससे हम रुकेंगे नहीं। सत्य के लिए, अत्याचार के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी है। कांग्रेस ने राजघाट के बाहर एक मंच बनाया है और वह मानहानि से जुड़े 2019 के एक मामले में राहुल गांधी को दोषी ठहराए जाने एवं उसके बाद लोकसभा से अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। इससे पहले, कांग्रेस ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने के विरोध में रविवार को सभी राज्यों और जिला मुख्यालयों में महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के सामने एकदिवसीय सत्याग्रह करने की घोषणा की थी।

आईटीएफ वर्ल्ड टूर एविगेनी डॉन्सकॉय ने जीता खिताब

ज्यादा बड़े टूर्नामेंट्स कराने का मिला हौसलाः नवनीत सहगल

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इकाना स्पोर्ट्स सिटी (इकाना स्टेडियम) में चल रहे अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट आईटीएफ 25 हजार डालर वर्ल्ड टूर के एकल मुकाबले में फाइनल में एविगेनी डॉन्सकॉय ने खिताब पर कब्जा जमा लिया। उन्होंने सातवीं वरियता प्राप्त यूक्रेन के खिलाड़ी एरिक वैनशेलबोइम को सीधे सेटों 6–2,7–5 में हरा दिया। डॉन्सकॉय का भारत में ये लगातार दूसरे हफ्ते में दूसरा आईटीएफ खिताब है। इससे पहले के हफ्ते में वो आईटीएफ दिल्ली के चैंपियन भी बने थे। डॉन्सकॉय ने अपना शानदार प्रदर्शन करते हुए यहां लखनऊ में भी शानदार खेल दिया। आज हुए फाइनल मुकाबले में पहले सेट में एविगेनी डॉन्सकॉय ने अपने प्रतिद्वंदी को टिकने ही नहीं दिया। उन्होंने एक के बाद एक विनर की झड़ी लगाते हुए पहला सेट 6–2 से जीत लिया। दूसरे सेट में यूक्रेन के खिलाड़ी ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने दूसरे सेट की शुरुआत से अपना खेल ही बदल दिया। डिफेंस की जगह अटैकिंग खेलते हुए 10वें गेम तक स्कोर बराबरी का रखा। मैच के आखिरी दो गेम में डॉन्सक्वाय ने अपने अनुभव और मानसिक दृढ़ता का परिचय दिया और दोनों गेम जीतकर मैच और खिताब अपने नाम कर लिया। डॉन्सक्वाय ने जीत के बाद अपने प्रतिद्वंदी यूक्रेन के एरिक वैनशेलबोइम की तारीफ की और कहा कि वो एक शानदार खिलाड़ी हैं। लखनऊ में हुए इस टूर्नामेंट की तारीफ की। उन्होंने कहा कि लखनऊ के लोगों की मेहमाननवाजी ने उनका दिल जीत लिया। उन्होंने बार–बार यहां आने का वादा भी किया। विजेता और उपविजेता को विनर और रनर अप की ट्राफी देकर प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव खेल और यूपी टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष नवनीत सहगल ने सम्मानित किया। नवनीत सहगल ने कहा कि इस टूर्नामेंट की सफलता को देखते हुए अब यूपीटीए को और भी बड़े अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट आयोजित कराने का हौसला मिला है।

सारस पक्षी के दोस्त आरिफ पर दर्ज एफआईआर, अखिलेश बोले, जान बचाने वाले इंसान को डराना चाहती सरकार

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सारस पक्षी के दोस्त आरिफ पर दर्ज एफआईआर को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार जान बचाने वाले पर केस दर्ज कर उसे डराना चाहती है। उन्होंने कहा कि मैने एक हाथी को एक्सप्रेसवे पर चल रहा था उसे ट्वीट कर दिया तो उसके महावत को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि ठीक बात है उसे गिरफ्तार किया गया। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन है उस आधार पर कार्रवाई होनी ही चाहिए। सरकार कभी–कभी लाइन्स को निरस्त करती है। जिसके पास हाथी था उसे सरकार को वापस भी करना पड़ा था। अखिलेश ने कहा कि 2019 में एक कहावत की हाथी ने हत्या की उस समय अधिकारी तब कहां थे क्योंकि वह मुख्यमंत्री जी का स्वजातीय था इसलिए वन विभाग सो गया। उन्होंने कहा कि सीएम योगी का स्वजातीय और उनके पड़ोसी होने के नाते उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। दरअसल,

जामो विकासखंड के मांडका गांव के 30 वर्षीय मोहम्मद आरिफ ने फरवरी 2022 में एक खेत में घायल सारस को कुत्ते नोच रहे थे इस दौरान आरिफ उसकी मदद की। उसके बाद सारस और आरिफ एक दोस्त की तरह रहने लगे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। उसके बाद उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आरिफ के घर पहुंच कर उसे बधाई दी। जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सख्त एक्शन लेते हुए सारस को पक्षी विहार में छोड़ने का आदेश दिया। उसके बाद उसे बरेली के पक्षी विहार में उसे छोड़ दिया गया। आरिफ से अलग होने के बाद सारस ने पक्षी विहार से कही और चला गया। जिसके बाद वन विभाग की टीम सारस को ढूंढने लगी। बाद में वन विभाग ने सारस को पकड़ पक्षी विहार ले आई। जो डॉक्टरों की निगरानी में रहा लेकिन वह आरिफ के बिना गुम सुम रह रहा था। फिलहाल अब कानपुर चिड़ियाघर पक्षी विहार में 15 दिन लिए क्वारंटाइन रखा गया है। इसके बाद इसको चिड़ियाघर के उस बड़े हिस्से में छोड़ा जाएगा, जहां वो पेड़ों पर बैठ सकेगा। चिड़ियाघर प्रशासन ने बताया कि सारस एकदम स्वस्थ है और प्रोटोकॉल के चलते 15 दिन की निगरानी में है। यहां केयर टेकर के अलावा किसी को जाने की अनुमति नहीं है। हालांकि पक्षी प्रेमी आरिफ पर केस दर्ज होने के बाद से सोशल मीडिया पर लोगों आरिफ की सराहना कर हैं।

भारी प्रशासनिक फेरबदल, 15 आईपीएस अफसरों का तबादला

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महकमे में आज रविवार को भारी प्रशासनिक फेरबदल हुआ है। एक साथ 15 आईपीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया गया। योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुधारों के लिए प्रतिबद्ध है।राज्य सरकार की तबादला नीति का बेहद अहम योगदान है। आज रविवार दोपहर शासन के फैसले ने सबको चौंका दिया और एक साथ 15 आईपीएस अफसरों के ताबड़तोड़ तबादलों से यूपी की ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप मच गया।जिन अफसरों के हुए तबादले हुए हैं, उनमें क्रमशःएन रविंदर एडीजी पुलिस मुख्यालय बनाए गए,उन्हेंडीजीपी के जीएसओ का भी चार्ज दिया गया है। वहीं अमित चंद्रा एडीजी पीटीसी मुरादाबाद ,रामलाल वर्मा आईजी ईओडब्ल्यू ,अनिल कुमार आईजी पीएसी पूर्वी जोन ,रामकृष्ण भरद्वाज प्रमोशन के बाद बस्ती के आईजी,रविंद्र गौड़ गोरखपुर जोन में आईजी पद पर प्रमोट हो गये हैं।

प्रधानमंत्री के मन में महिलाओं के लिए उच्चतम स्थान : गीता शाक्य

संवाददाता

लखनऊ। विद्यावती वार्ड तृतीय में प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा व सांसद राज्यसभा गीता शाक्य की उपस्थिति में प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी। पीएम के मन की बात कार्यक्रम का 99 वा एपिसोड था। प्रधानमंत्री ने जनता का उद्बोधान करते हुए महिला सशक्तिकरण ,अंगदान और सौर ऊर्जा उपकरणों से देश की आर्थिक व्यवस्था को सुधारने के प्रयास की सराहना की गई। जनता को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य ने कहा कि प्रधानमंत्री के मन में महिलाओं के लिए उच्चतम स्थान है। जिस तरह से देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयास किया गया, उसी प्रकार सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर हर व्यक्ति को देश हित में अनेकानेक कार्यों को करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा कल्पना तिवारी ,कार्यक्रम संयोजक रमां सिंह

,क्षेत्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा गोदावरी मिश्रा, पार्षद कमलेश सिंह ,पार्षद कौशलेंद्र ,मंडल अध्यक्ष नीता दीक्षित ,शक्ति केंद्र संयोजक प्रशांत दीक्षित ,बूथ अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, आम जनता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धार्मिक संकीर्णता: देश के विकास और सामाजिक समरसता में बाधक

मौलाना मेराज अहमद क़मर

भारत एक अरब से अधिक लोगों का देश है, जिनमें से अधिकांश हिंदू हैं। लेकिन हमारे देश में लगभग 150 मिलियन से ज्यादा मुसलमानों के साथ अल्पसंख्यकों की बड़ी आबादी भी है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय हम एकजुट होकर लड़े लेकिन आजादी के बाद आपसी संघर्ष के जो बीज अंग्रेजों के शासन के दौरान बोए गए थे, वे आज भी लोगों के मन में हैं। जिसे पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत है। देश की वोट राजनीति भी इन दो समुदायों (हिंदू/मुस्लिम) को विभाजित करने के लिए समान रूप से जिम्मेदार है। दोनों समुदायों के कुछ तथाकथित गैरजिम्मेदार नेताओं की हरकतें देश के सौहार्दपूर्ण माहौल को बिगाड़ने में लगी हुई हैं जो समय समय पर कुछ ऐसे विवादास्पद बयान जारी कर देते हैं जो देश की आपसी समरसता को छिन्न भिन्न कर देते है और इस प्रकार दोनों संप्रदाय के लोगों में कडुवाहट पैदा कर देते हैं। हाल ही में एक तरफ जहां कुछ हिंदू नेताओं ने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले भाषण दिए हैं, वहीं मुसलमान नेता भी कोई विवादित बयान देने में पीछे नहीं हैं। वर्तमान में इस प्रकार की रस्साकसी का जो माहौल समाज में व्याप्त है उसकी बानगी कुछ इस प्रकार हैं। हाल ही में मध्य प्रदेश में हिंदू महासभा के कुछ सदस्यों द्वारा भारत भर से मुस्लिम धर्मस्थलों को हटाने की धमकी देने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। दूसरा, वी एच पी/ बजरंग दल के कई कार्यकर्ताओं ने बांदा में कथित अवैध मस्जिद निर्माण के खिलाफ धरना दिया और नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन में बजरंग दल के कई कार्यकर्ता भी शामिल हुए। एक अन्य प्रकरण में , आल इंडिया इमाम अस्सोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी का राम मंदिर विषय पर दिये गए बयांन ने विवाद खड़ा कर दिया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है ! मौलाना ने कहा है की 1992 में जब बाबरी मस्जिद तोड़ी गयी और उसके बाद वही पर राम मंदिर का शिलान्यास हुआ जिसने एक गलत परंपरा शुरू कर दी! अब आने वाले 50–100 सालो में जब देश में मुस्लिम शासन स्थापित होगा तो तब मुसलमान मंदिर तोड़कर फिर वहां पर मस्जिद बनवा देंगे ! भारत में सांप्रदायिकता पर इस तरह की अभद्र भाषा के विवाद बहुत आम हैं। हाल के दशकों में, धार्मिक समुदायों (भारत में सांप्रदायिकता के रूप में संदर्भित) के बीच संघर्ष काफी बढ़ गया है और इन धार्मिक संघर्षों में हजारों लोग मारे गए हैं। अगर धार्मिक संघर्षों ने लोकतांत्रिक ताने–बाने को तोड़ दिया और गृहयुद्ध की स्थिति पैदा कर दी तो भारत का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा। इस स्थिति से बचने के लिए देश के सभी नागरिकों , चाहे वह किसी भी धर्म से ताल्लुक रखता हो, की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है कि वह अपनी धार्मिक संकीर्णता से ऊपर उठकर और धर्मनिरपेक्षता की भावनाओं की कद्र करते हुए देश की एकता और अखंडता को बरकरार रखते हुए अमन चाय का माहौल कायम करे।तभी हम विश्व पटल पर एक अखण्ड राष्ट्र के रूप में शान से फल–फूल सकते हैं।

मेधावी छात्र छात्राओं को डाक विभाग ने दी छात्रवृत्ति

संवाददाता

लखनऊ। आधुनिक अद्योगिकी के युग में बच्चों के अन्दर अभिरुचि पैदा करने के उद्देश्य से डाक विभाग की दीन दयाल स्पर्श योजना स्कालरशिप फार

प्रमोशन आफ एप्टीट्यूड एंड रिसर्च इन स्टैम्प एज ए हॉबी के नाम से एक छात्रवृत्ति योजना कक्षा 6 से 9 तक के बच्चों के लिए संपन्न हुई, शौक के तौर पर डाक टिकटों के प्रति अभिरुचि तथा इस क्षेत्र में शोध के प्रचार–प्रसार हेतु दीन दयाल स्पर्श योजना के तहत चयनित मेधावी छात्रों को रु 6000 रूपये वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। राज्य स्तर पर कक्षा 6 से 9 तक लखनऊ जीपीओ से चयनित 12 मेधावी छात्र छात्राओं क्रमशः लखनऊ के मॉडर्न स्कूल से ओजस कपूर, हमीदा हसन फरही, सूर्या पब्लिक स्कूल से अनन्या श्रीवास्तवा, नवयुग रेडिएंस स्कूल से सताक्षी तिवारी, अनुकृति, फरहा मोनिस, सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल से रुद्रांश गर्ग तथा महर्षि विद्या मंदिर से अभियोदय श्रीवास्तव, नितिन मिश्रा, अंश अवस्थी, अभिनव अवस्थी एवं दक्षिता जयसवाल को जीपीओ के सीपीएम सुशील कुमार तिवारी ने प्रमाणपत्र एवं वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में युवराज सिंह डिप्टी चीफ पोस्टमास्टर, अमित कुमार मेनेजर बीएनपीएल, तपस कुमार गौतम डिप्टी पोस्टमास्टर तथा विनोद कुमार राय सहायक पोस्टमास्टर तथा शरद कपूर जन संपर्क निरीक्षक, लखनऊ जीपीओ आदि उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ गोरखा समाज ने रंग गुलाल एवं पुष्प वर्षा कर पारम्परिक रीति–रिवाज़ के साथ मनाया होली मिलन

जमाल मिर्जा

सज्जाद टाइम्स न्यूज

लखनऊ,लालबाग कंपाउंड स्थित

कार्यालय पर भारतीय गोरखा सेवा समाज उत्तर प्रदेश,लखनऊ का होली मिलन समारोह रंग–उमंग के साथ पारम्परिक रिति–रिवाज के साथ मनाया गया। समारोह में उपस्थित गोरखा भाइयों–बहनों ने रंग–गुलाल उड़ा पुष्प वर्षा कर रंग बिरंगी होली खेली। साथ ही महिला–पुरुषों ने नेपाली लोक–संगीत का मनोहारी प्रदर्शन किया। उपस्थित गोरखा भाई–बहनों को अध्यक्ष वी.बी.थापा व महामंत्री जीवेश उपाध्याय ने केसरिया गुलाल का तिलक कर सबका स्वागत किया,साथ ही सब पर पुष्प वर्षा की गयी। समारोह में उपाध्यक्ष एन. बी.क्षेत्री,रमेश थापा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरव सिंह,महिला अध्यक्ष अमृता शाह,मंदिर अध्यक्ष चन्दन सिंह, बीर बहादुर बिष्ट, निशा आचार्य,दीपीका सेन खत्री, शंकर घटानी,जागृत राज थापा, नवीन शाह, नवीन थापा,शरद सिंह, शीला खड़्का, युवराज पौडेल, सावित्री खत्री, शिवमाया थापा,डी0बी0 थापा, डा. सुशीला छेत्री तथा जोशी जी इत्यादि लोगों ने होली मिलन समारोह में प्रतिभाग किया।

पार्क में प्रवेश का शुल्क, स्थित बदहाल; शहीद स्मारक पर भी लगेगा टिकट, एडीए इस तरह कराएगा रखरखाव

संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में संजय प्लेस के शहीद स्मारक पर आगरा विकास प्राधिकरण 15 अप्रैल से टिकट लगाएगा। टिकट लगाकर पार्क का रखरखाव करने का एडीए का तरीका कुछ ऐसा है कि आप हैरान रह जाएंगे। एमजी रोड पर सुभाष पार्क को देखकर इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। यहां वर्षों से 10 रुपये प्रति व्यक्ति टिकट है। इसके बावजूद पूरा पार्क बदहाल है। कलेक्ट्रेट से महज 300 मीटर पहले सुभाष पार्क का वाटर चौनल सूखा पड़ा है। पहले यहां बतख तैरती थीं। मनोरंजन के लिए लगाए झूले टूट चुके हैं। कुछ ऐसे हैं, जहां झूलने पर चोट लगना या कपड़े फटना तय है। घास सूखी है और महीनों से पार्क की सफाई नहीं हुई, जबकि हर व्यक्ति से यहां 10 रुपये का प्रवेश शुल्क लिया जा रहा है। यहां न टायलेट साफ हैं और न झूले, नहर सूखी है, पुलिया टूटी और जर्जर हैं। पूरा पार्क प्लास्टिक, पॉलीथीन और पानी के पाउच से पटा पड़ा है। झाड़ियों में

कई आपत्तिजनक सामग्री भी दिखाई देती हैं। एडीए इसी तर्ज पर शहीद स्मारक पर भी टिकट लगाने के लिए सुझाव और आपत्तियां मांग रहा है। आपत्तियां 3 अप्रैल तक जयपुर हाउस स्थित कार्यालय में दी जा सकती हैं। यहां शो करवाकर ले टिकट नेशनल चौंबर के पूर्व अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि हमारे लिए शहीद स्मारक आस्था का केंद्र है। एडीए यहां प्रवेश शुल्क न लगाए। यहां लाइट एंड साउंड शो करे, म्यूजिकल फाउंटेन शो करे और उस पर टिकट ले। यहां सामाजिक, सांस्कृतिक इतने कार्यक्रम होते हैं, वह कहां होंगे। टिकट लगाने का औचित्य नहीं संजय प्लेस निवासी रवींद्र खंडेलवाल ने कहा कि हम वरिष्ठ नागरिक हैं जो सुबह घूमने और शहीदों को नमन करने के लिए आते हैं। यहां टिकट लगाने का कोई औचित्य नहीं, जबकि देश के सभी शहीद स्मारक और युद्ध स्मारक निशुल्क हैं। यह प्रस्ताव वापस लेना चाहिए। रखरखाव का अन्य मॉडल अपनाएं एक्टिविस्ट शिशिर भगत ने कहा कि पार्क और शहीद स्मारक के रखरखाव का कोई अन्य मॉडल भी अपनाया जा सकता है, पर टिकट लगाना ठीक नहीं है। यह आस्था का केंद्र है, जहां पूरे शहर के संगठन शहीदों को श्रद्धांजलि देने पहुंचते हैं। सेल्फी पॉइंट की तरह इसे आकर्षक बनाया जाए। यह शहर के सबसे बड़े कॉमर्शियल हब का हिस्सा है। व्यवस्थाएं बेहतर होंगी एडीए सचिव गरिमा सिंह ने कहा कि एडीए शहीद स्मारक की साफ सफाई, बिजली खर्च, हरियाली आदि पर खर्च करता है। इसके लिए बजट चाहिए। टिकट लगेगा तो बेहतर व्यवस्थाएं होंगी।

मेरी बिगडी तो मेरा बाबा ही बनाएगा, गायिका उमा लहरी के भजनों पर देर रात तक झूमते रहे भक्त

संवाददाता

अलीगढ़। श्याम बाबा सेवा समिति के तत्वावधान में शनिवार को आगरा रोड स्थित कैलाश फार्म में श्री श्याम बाबा का फागोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। संकीर्तन में प्रसिद्ध भजन गायिका उमा लहरी के भजनों पर बाबा के भक्त झूमते हुए नजर आए। उमा लहरी ने मोर छड़ी लहराई..., बाबा तुम जो मिल गए..., मेरी बिगड़ी तो मेरा बाबा ही बनाएगा..., फंसी भंवर में थी मेरी नैया... आदि भजनों के माध्यम से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उमा लहरी को सुनने उमड़ी भक्तों की भीड़ सोनभद्र से आए भजन गायक संजीव शर्मा ने उंगली पकड़ कर ले आया मुझे..., जब जब भी तू हारेगा बाबा तुझे संभालेगा..., खाटू में ग्यारस की रात जो आती है.. आदि भजनों पर भक्त थिरकते नजर आए। बरेली से आए राम और श्याम ने भी भक्तों को अपने गीतों एवं भजनों पर खूब रिझाया। मथुरा से आए कलाकारों ने बाबा का शानदार दरबार सजाया, जो सबके आकर्षण का केंद्रबिंदु बना रहा।

पांच दिन बाद जहीर के ठिकानों से लौटी आयकर टीम, पांच सौ करोड़ से अधिक की कर चोरी का अंदेशा

संवाददाता

अलीगढ़। पश्चिमी यूपी प्रमुख मीट निर्यातक हाजी जहीर के ठिकानों पर आयकर जांच पाचवें दिन पूरी हो गई। इसके बाद टीम काफी संख्या में दस्तावेज जब्त कर ले गई। इस दौरान पांच सौ करोड़ के आसपास की करापवंचन का अंदेशा जताया जा रहा है। फिलहाल शमन जारी कर दिया गया है और अब पूछताछ व जवाब के आधार पर आगे कार्रवाई तय होगी। वहीं आयकर कंट्रोल रूम इस संबंध में कार्रवाई की अधिकारिक जानकारी जारी करेगा। गुरुग्राम की आयकर टीम ने 21 मार्च 2023 को अपर आयकर निदेशक जांच अमन प्रीत सिंह की अगुवाई में टीम ने हाजी जहीर के घर के साथ-साथ फैक्टरी अलदुआ, अलहमद व दिल्ली-गाजियाबाद आदि ठिकानों पर एक साथ छापा मारा गया। लगातार पांच दिन तक जांच जारी रही। इस दौरान पांच सौ करोड़ से अधिक की कर चोरी का अंदेशा जताया गया है। अपर आयकर निदेशक जांच अमन प्रीत सिंह ने सिर्फ इतना ही बताया कि शनिवार की सुबह जांच पूरी हो गई है। टीम वापस लौट गई है। अब जो दस्तावेज साक्ष्य एकत्रित किए गए हैं, उनके अध्ययन के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। कई दर्जन कंपनियों के कई हजारों पन्ने के स्टेटमेंट जब्त जांच टीमों ने इस दौरान दिल्ली, यूपी, हरियाणा में इस परिवार की दो दर्जन से अधिक कंपनियों के संचालन का मामला पकड़ा है। हालांकि अधिकारी कुछ पुष्ट रूप से नहीं बता रहे, मगर अलदुआ के मैनेजर ने बताया कि जांच रुटीन का हिस्सा थी। टीम चली गई है। उसका हर तरह से सहयोग किया गया है। इधर यह टीम इन सभी कंपनियों के खरीद बिक्री, सप्लायरों की खरीद, निर्यात आदि संबंधी दस्तावेज व कई हजार पन्नों के स्टेटमेंट साथ ले गई है। इनमें कंपनी परिवार की महिलाओं व हाजी जहीर आदि के नाम से हैं। इसमें रीयल स्टेट में निवेश तक का तथ्य मिला है।

खनन माफिया बेखौफ: नायब तहसीलदार व टीम को ट्रेक्टर से रौंदने की कोशिश, भागकर बचाई जान, तलाश में जुटी पुलिस

संवाददाता

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में अवैध खनन की सूचना पर पहुंचे नायब तहसीलदार पर खनन माफिया ने ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। अधिकारी व टीम ने किसी तरह से जान बचाई। कार्रवाई के दौरान एक जेसीबी मालिक को मौके से गिरफ्तार किया गया है। मुकदमा दर्ज करने के बाद उसे जेल भेजा गया है। अन्य की तलाश में पुलिस की टीमें जुटीं हैं। मामला घिरोर थाना क्षेत्र के गढ़िया हड़ाई

गांव का है। नायब तहसीलदार राजीव अग्रवाल ने बताया कि 23 मार्च को गांव गढ़िया हड़ाई में जेसीबी से अवैध खनन किए जाने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर वह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और खनन को बंद कराया। इस दौरान मिट्टी लदे हुए ट्रैक्टर के चालक वहां से भागने लगे। अवैध खनन करा रहे जेसीबी स्वामी देवेंद्र निवासी नगला केहरी के इशारे पर एक ट्रैक्टर चालक ने प्रर्वतन दल की टीम पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। अधिकारी व टीम ने भागकर बचाई जान इस दौरान किसी तरह से उन्होंने व टीम के अन्य लोगों ने अपनी जान बचाई। टीम के द्वारा अवैध खनन कर रहे वाहनों का काफी दूर तक पीछा भी किया गया, लेकिन कोई पकड़ में नहीं आ सका। जेसीबी मालिक को मौके से गिरफ्तार करने के बाद पुलिस को सौंप दिया गया। मामले में शनिवार को पुलिस ने देवेंद्र को न्यायालय में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। जेसीबी मालिक ने थाने में दी भ्रामक सूचना नायब तहसीलदार ने थाने में दी गई तहरीर में बताया कि अवैध खननकर्ता देवेंद्र ने भ्रामक रूप से जेसीबी मालिक का नाम रामब्रेश निवासी घरेना थाना कुरावली बताया। जबकि थाने में दिए गए बयान में उसने बीते एक वर्ष से घिरोर क्षेत्र व आसपास के क्षेत्र में अवैध खनन किए जाने की बात स्वीकार की। वह प्रतिदिन करीब 30-40 ट्राली मिट्टी का अवैध खनन कराता है। टीम पर हमले की घटना को छिपाए रही पुलिस गांव गढ़िया हड़ाई में अवैध खनन की सूचना पर गए नायब तहसीलदार व प्रर्वतन टीम पर जानलेवा हमला की घटना हुई। मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया गया। लेकिन पुलिस पूरे घटनाक्रम पर पर्दा डालने की कोशिश करती रही।

जिला माहेश्वरी सभा का हुआ गठन, अध्यक्ष संजीव व वरिष्ठ उपाध्यक्ष बने रामकुमार

संवाददाता

अलीगढ़। जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव में अध्यक्ष संजीव गोदानी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकुमार सादानी चुने गए। चुनाव अधिकारी अभय माहेश्वरी और प्रादेशिक चुनाव पर्यवेक्षक व प्रादेशिक

सहायक चुनाव अधिकारी रघुवंश राठी की देखरेख चुनाव हुआ। शनिवार को रूबी होटल में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला माहेश्वरी सभा के विभिन्न पदों के लिए नामांकन पत्र भरे गए। सभी पदों पर एक-एक नामांकन पत्र दाखिल हुए, जो निर्विरोध चुने गए। चुनाव अधिकारी अभय माहेश्वरी ने बताया कि अध्यक्ष संजीव गोदानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामकुमार सादानी, उपाध्यक्ष प्रदीप माहेश्वरी, सुधीर हरकुट, हरी किशन (छर्रा वाले), जिला मंत्री मनीष चांडक, संयुक्त मंत्री अनंत केला, लक्ष्मी नारायन माहेश्वरी, संगठन मंत्री विकास भूतड़ा, प्रचार मंत्री योगेश कुमार माहेश्वरी चुने गए। नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर खिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री विनीत केला, राष्ट्रीय कार्य समिति के सदस्य राकेश मोहता, संजीव मल्ल, अंकुर राठी, नवनीत माहेश्वरी, अमन मालपाणी, अमित माहेश्वरी, अनुभव राठी, अशोक हरकुट, प्रशांत कलंत्री, मुकेश माहेश्वरी, रोहित केला, मोहित राठी आदि मौजूद रहे।

फर्जी आधार चाहिए, हमारे पास आइए: प्रधान-पार्षद की मुहर की भी जरूरत नहीं, सब कुछ यहीं है, सरगना सहित तीन धरे गए

संवाददाता

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में संजय प्लेस स्थित आधार सेवा केंद्र में फर्जीवाड़ा करने वाला गिरोह सक्रिय था। गिरोह प्रधान, पार्षद और राजपत्रित अधिकारियों की फर्जी मुहर से सत्यापन कर आधार कार्ड तैयार करा रहा था। फर्जी दस्तावेज तैयार करने के लिए लोगों से 500 से एक हजार रुपये तक वसूलते थे। शुक्रवार को थाना हरीपर्वत पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित तीन को गिरफ्तार कर लिया। उनसे फर्जी मुहर, आधार फार्म सहित अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। फर्जी आधार कार्ड तैयार करने वाला गिरोह सक्रिय डीसीपी सिटी विकास कुमार ने बताया कि शमसाबाद के गांव लखुरानी निवासी मनोज तोमर, आकाश झा और मलपुरा स्थित जगनेर रोड निवासी फरहान खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी संजय प्लेस स्थित आधार सेवा केंद्र पर फर्जी आधार कार्ड तैयार करने वाला गिरोह सक्रिय है। इस पर हरीपर्वत थाना प्रभारी अरविंद कुमार, एसआई अनिल शर्मा, राजकुमार बालियान सहित टीम को लगाया था। इसके बाद गिरोह को पकड़ लिया गया। उनसे तीन मोबाइल, 10 फर्जी मुहर, 1050 रुपये, छह आधार कार्ड फार्म भरे व मुहर लगे, एक जन्म प्रमाण-पत्र, दो पेन, एक इंकपैड बरामद हुए। आधार सेवा केंद्र पर सक्रिय रहता था गिरोह डीसीपी सिटी के मुताबिक, आधार कार्ड बनवाने के लिए पार्षद, प्रधान और राजपत्रित अधिकारी से फार्म को सत्यापित कर लाने की आवश्यकता होती है। जिन लोगों के पास यह नहीं होता है, गिरोह के सदस्य ऐसे लोगों को जाल में फंसाते थे। उनसे 500 रुपये से लेकर एक हजार रुपये तक लेते थे। मनोज तोमर आधार सेवा केंद्र पर सक्रिय रहता था। फरहान खान लोगों की तलाश करता था। आकाश झा की शमसाबाद में दुकान है। वह मुहर बनाने का काम करता था। प्रधान, पार्षद और राजपत्रित अधिकारी की मुहर लगाकर फार्म को

सत्यापित कर देते थे। इसके बाद आधार फार्म में लगाकर देते थे, जिससे फर्जी आधार कार्ड तैयार हो जाता था। पुलिस पता कर रही है कि किन लोगों ने आधार कार्ड बनवाया है। जानकारी मिली है कि आरोपियों के माध्यम से फर्जीवाड़ा करने वालों ने भी फायदा उठाया है।

भाजपा प्रदेश टीम में कानपुर के 5 नाम

कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष बने प्रकाश पाल, संगठन में बढ़ा कानपुर का कद

संवाददाता

कानपुर। यूपी में शनिवार देर रात भाजपा ने प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की। प्रदेश पदाधिकारियों की नई टीम में 18 प्रदेश उपाध्यक्ष, 7 महामंत्री और 16 प्रदेश मंत्री के साथ कुल 45 लोगों के नामों की घोषणा की गई है। संगठन में इस बार कानपुर को तवज्जो दी गई है। भाजपा की प्रदेश टीम में कानपुर के 5 नामों को शामिल किया गया है। भाजपा में ओबीसी प्रकोष्ठ को मोर्चा बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले प्रकाश पाल को कानपुर–बुंदेलखंड का क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। इनके नाम पर पहले ही बतौर क्षेत्रीय अध्यक्ष मुहर लग गई थी। हाल ही में कानपुर में हुई ओबीसी मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में प्रकाश पाल की एक सुर में प्रशंसा की गई थी। इस बार जब योगी सरकार का गठन हुआ तो कानपुर शहर से एक भी विधायक को मंत्रीमंडल में जगह नहीं दी गई। जबकि कानपुर देहात से 3 मंत्री हैं। सतीश महाना को भी मंत्रीमंडल से बाहर रखा गया, बाद में विधानसभा अध्यक्ष बनाया गया। हालांकि इस बार भाजपा ने बैलेंस बनाते हुए सरकार के मुकाबले संगठन में तवज्जो दी है। 18 प्रदेश उपाध्यक्ष में से 4 नामों को कानपुर से स्थान दिया गया है। कानपुर–बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष रहे मानवेंद्र सिंह को इस पर बार पार्टी ने प्रमोशन दिया है। उन्हें प्रदेश संगठन में स्थान देकर प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके साथ एमएलसी सलिल विश्नोई को भी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा कमलावती सिंह और देवेश कोरी को भी प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। लखनऊ स्थित प्रदेश भाजपा के मुख्यालय प्रभारी के तौर पर भरत दीक्षित को जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा में प्रदेश पदाधिकारियों का कार्यकाल 3 साल का होता है। वर्ष–2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में प्रदेश पदाधिकारियों की नई टीम पर सबसे बड़ी जिम्मेदारी लोकसभा चुनाव को लेकर है। बता दें कि कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र में 10 लोकसभा सीटे हैं। भाजपा के खाते में दसों सीटें हैं। कन्नौज में डिंपल यादव को हराकर भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की थी। ऐसे में नए पदाधिकारियों पर 10 सीटों को बचाने का सबसे बड़ा चौलेंज है। बता दें कि कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र में 52 विधानसभा सीटें भी हैं। कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र में ये हैं लोकसभा सीटें– कानपुर, अकबरपुर (कानपुर देहात), फर्रुखाबाद, कन्नौज, मिश्रिख, इटावा, जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा।

प्रकाश पाल के बहाने कानपुर– बुंदेलखंड में पिछड़ों को साधेगी भाजपा

संवाददाता

कानपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश पाल का कानपुर–बुंदेलखंड क्षेत्र का अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने आगामी नगर निकाय और लोकसभा चुनाव में पिछड़ों को साधने का दांव चला है। अभी तक इस पद पर मानवेंद्र सिंह थे। अब उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। दरअसल इस क्षेत्र में पिछड़ी जातियों का बड़ा तबका निवास करता है। महानगर निवासी प्रकाश पाल को क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाने जाने का संकेत पिछले दिनों यहां में आयोजित हुई भाजपा पिछड़ा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति के समय ही दे दिया गया था। उस समय कार्यसमिति के मुख्य अतिथि व उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने संकेत देते हुए कहा था कि भाजपा पिछड़ा प्रकोष्ठ को भाजपा पिछड़ा मोर्चा बनाने में प्रकाश पाल की बड़ी भूमिका रही है। उसी समय से यह बात चर्चा में आने लगी थी। इस बीच प्रकाश पाल को लगातार महानगर में प्रमुख आयोजनों में आमंत्रित करने का सिलसिला भी तेज हो गया था।

कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के 2 साल पूरे

पुलिस लाइन में कार्यक्रम आयोजित, सांसद बोले– शहर में अपराध बहुत कम हुआ

संवाददाता

कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के 2 साल पूरे होने पर रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सुबह 8 बजे सिविल लाइन स्थित पुलिस लाइन ग्राउंड में पुलिसकर्मियों की परेड का आयोजन हुआ। जिसमें सभी पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी व उनके परिवार के लोग पहुंचे। कानपुर सांसद सत्यदेव पचौरी और अन्य जनप्रतिनिधि भी पुलिस कमिश्नरेट के इस कार्यक्रम में पहुंचे। पुलिस लाइन ग्राउंड में इस कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस कमिश्नर का परेड द्वारा स्वागत किए जाने से शुरू हुआ। इसके बाद पुलिस पुलिस कमिश्नर का संबोधन हुआ। जिसमें बीते 2 साल कमिश्नरेट पुलिस की कार्यशैली के बारे में बताया गया। पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने कहा कि 2 साल के कमिश्नरेट पुलिस कानपुर के कार्य प्रणाली की बात की जाए तो इसमें अपराध मुक्त समाज को बल मिला है। अपराधियों पर कार्रवाई की गई है। पुलिसिंग सिस्टम चेंज हुआ है और उनकी कार्यशैली भी बदल गई है। कहा कि आज इसी उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन कर पुलिस के परिवार वालों को भी यहां आमंत्रित किया गया है। जिसमें महिला पुलिसकर्मी और पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा पुलिस परेड का भी आयोजन किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद पिछले 2 सालों में नए पुलिस के भवनों के इंफ्रास्ट्रक्चर में भी सुधार आया है। लगातार नए भवन बनाए जा रहे हैं । पुलिस कमिश्नरेट की इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया था। जिसमें कई विधायकगण भी शामिल हुए। कानपुर के सांसद सत्यदेव पचौरी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा अपराध पर नियंत्रण किए जाने को लेकर इस कदम को उठाया गया था। आज कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के 2 साल पूरे हो गए हैं। समाज में अपराध का ग्राफ तेजी से गिरा है। कमिश्नरेट का यह प्रयोग उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में सफल रहा है। उत्तर प्रदेश में कमिश्नरेट प्रणाली के लिए मुख्यमंत्री से मैंने ही चर्चा कर लागू कराया था। पहले 4 शहरों में कमिश्नरेट लागू किया गया था, जिससे पुलिसिंग सिस्टम द्वारा अपराध रोकने में सफलता मिली।

पटरी से उतरा इंजन, तीन घंटे बाधित रहा ट्रैक

संवाददाता

सुल्तानपुर। स्थानीय स्टेशन यार्ड के गुड्स साइडिंग के पास शनिवार सुबह एक इलेक्ट्रिक इंजन अपलाइन पर डिरेल हो गया। उसका एक पहिया पटरी से उतर गया। हादसे की सूचना मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंच गए। अयोध्या से मंगवाई गई एआरटी (एक्सीडेंटल रिलीफ ट्रेन) की मदद से इंजन को दोबारा पटरी पर लाया गया। करीब तीन घंटे बाद ट्रैक बहाल हो सका। लखनऊ से पहुंचे अधिकारियों की टीम ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। गुड्स साइडिंग में कोयले से लदी खड़ी रैक को इंजन से लखनऊ ले जाना था। इसके लिए स्टेशन से एक इलेक्ट्रिक इंजन सुबह करीब 9:45 बजे गुड्स साइडिंग की ओर जा रहा था। इंजन का एक पहिया अपलाइन क्रॉसिंग के पास अचानक पटरी से उतर गया। इंजन पर मौजूद वरिष्ठ लोको पायलट दीपक कुमार यादव ने दुर्घटना की सूचना कंट्रोल रूम व स्थानीय स्टेशन यार्ड के अधिकारियों को दी। स्टेशन अधीक्षक बीएस मीना, मुख्य लोको निरीक्षक एचआर रंजन व कई सेक्शन के अधिकारी आनन–फानन में मौके पर पहुंच गए। अधिकारियों की सूचना पर अयोध्या से एआरटी मंगवाई गई। एआरटी के पहुंचने के बाद इंजन के पहिए को ट्रैक पर लाने का कार्य शुरू किया गया। उधर दुर्घटना के बाद वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (कोचिंग) आदित्य गुप्ता भी दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। रेलवे कर्मचारियों की टीम व एआरटी की मदद से दोपहर करीब 12:45 बजे इंजन को पटरी पर लाया गया। करीब तीन घंटे के बाद रेल ट्रैक बहाल हो सका। वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक ने बताया कि दुर्घटना की जांच करवाई जा रही है। गुड्स साइडिंग के पास हुए हादसे के मामले में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर इलेक्ट्रिक इंजन के वरिष्ठ लोको पायलट दीपक कुमार यादव व प्वाइंट्स मैन चंदन कुमार का मेडिकल परीक्षण रेलवे चिकित्सालय में करवाया गया। दोनों रेल कर्मचारियों के ब्लड सैंपल भी लिए

गए। सैंपल को जांच के लिए लखनऊ रेल चिकित्सालय भेजा गया है। स्टेशन यार्ड के दक्षिणी केबिन के पास 16 फरवरी को दो मालगाड़ियों में भिड़ंत हो गई थी।

नकाबपोश महिला ने मंदिर में छीनी श्रद्धालु की चेन

संवाददाता, भदैंया (सुल्तानपुर)। लोहरामऊ देवी धाम में शुक्रवार को दर्शन करने पहुंची एक महिला के गले से सोने की चेन नकाबपोश महिला छीनकर फरार हो गई। सूचना देने पर महिला आरक्षी ने कार्रवाई करने के बजाय महिला को नसीहत देकर टरका दिया। यह घटना अभियाकलां गांव निवासी रेखा देवी के साथ हुई। रेखा शुक्रवार को लोहरामऊ धाम में देवी मां के दर्शन करने पहुंची थी। मंदिर में नकाबपोश एक महिला ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली। इसकी जानकारी होते ही रेखा ने शोर मचाया। रेखा मंदिर परिसर में सुरक्षा के लिए तैनात महिला आरक्षी के पास गई और घटना की सूचना दी। रेखा के मुताबिक महिला आरक्षी और पीआरडी जवान ने कार्रवाई करने के बजाय नसीहत दी कि वे चेन पहनकर मंदिर में आई क्यों। इस पर पीड़िता ने शनिवार सुबह कोतवाली देहात में तहरीर दी है। एसओ कृष्ण मोहन सिंह ने बताया कि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

मिट्टी ढोने के दौरान पलटी ट्रैक्टर ट्रॉली, दबकर अधेड़ की मौत

संवाददाता, सेमरी बाजार (सुल्तानपुर)। जयसिंहपुर क्षेत्र में शुक्रवार रात मिट्टी की ढुलाई के दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। उसके नीचे दबकर अधेड़ की जान चली गई। लहौटा आशापट्टी गांव निवासी इंद्रजीत निषाद (48) शुक्रवार रात ट्रैक्टर से मिट्टी की ढुलाई करा रहे थे। देर रात ट्रॉली पर मिट्टी लादकर चालक के साथ घर लौट रहा था। रास्ते में ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गई। ट्रैक्टर पर सवार इंद्रजीत उसके नीचे दब गए। चीख पुकार के बाद पहुंचे ग्रामीणों ने ट्रैक्टर के नीचे फंसे इंद्रजीत को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। शनिवार सुबह पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। इंद्रजीत की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

बकायेदार का बिजली कनेक्शन काटने पर हंगामा

संवाददाता

भदैंया (सुल्तानपुर)। अहिमाने बाजार में शनिवार को एक बकायेदार का बिजली कनेक्शन काटने पर हंगामा हो गया। उपभोक्ता व अन्य लोग उपकेंद्र की टीम से भिड़ गए। उपकेंद्र की टीम अहिमाने बाजार में चेकिंग अभियान चलाया। शनिवार सुबह जेई की मौजूदगी में संविदा लाइनमैन ने बकायेदार राजकुमार गुप्ता का कनेक्शन काट दिया। इसकी जानकारी होते ही राजकुमार ने विरोध किया। आरोप है कि राजकुमार के साथ अन्य लोग लाइनमैन मितेश कुमार दूबे से भिड़ गए। उन्होंने काफी हंगामा किया। किसी तरह उपकेंद्र की टीम वहां से निकल सकी। लाइनमैन ने घटना के बारे में थाने में नामजद तहरीर दी है। अभियंता कलीम खां ने बताया कि कनेक्शन काटने पर उपभोक्ता के परिजन उग्र हो गए और अभद्रता की। कोतवाली देहात प्रभारी कृष्ण मोहन सिह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

बाल रोग विशेषज्ञ व ईएनटी के डॉक्टरों ने किया ऑनलाइन इलाज

संवाददाता

रायबरेली। जिला अस्पताल में शनिवार को दूसरे दिन टेलीमेडिसिन के माध्यम से चिकित्सीय परामर्श के लिए 25 लोगों ने फोन किया। रेडियोलॉजिस्ट डॉ. अल्ताफ हुसैन, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेंद्र शर्मा व नाक–कान व गला रोग विभाग के चिकित्सक डॉ. शिव कुमार व डॉ. विवेक द्विवेदी ने मरीजों को परामर्श दिया। कई मरीजों को सोमवार को ओपीडी में आकर जांच कराने की सलाह भी दी गई।

लाइफ पार्टनर की सक्सेज से इनसिक्योर होते हैं पति, इन संकेतों से समझे नहीं भा रही आपकी कामयाबी

एजेंसी

आज के समय में पुरुष जॉब करने वाली महिलाओं से शादी करना पसंद करते हैं। लेकिन जब वहीं महिलाएं पति से ज्यादा कमाने लगती हैं तो उनके लिए यह देख पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हालांकि कई पुरुश ऐसे भी हैं जो अपनी लाइफ पार्टनर के करियर को आगे बढ़ाने के लिए सपोर्ट करते हैं। वहीं कुछ पुरुषों को यह स्वीकारने में कोई हर्ज नहीं होता कि उनकी पत्नी उनसे ज्यादा सक्सेजफुल हैं। लेकिन आज भी ऐसे लोगों की संख्या काफी कम है। अधिकतर पुरुष अपने से कम लेवल पर महिलाओं को रखना पसंद करते हैं। जिससे कि वह अपनी लाइफ पार्टनर को कंट्रोल कर सकें। फ्लोरिडा और वर्जीनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के एक अध्ययन में सामने आया है कि अपनी पार्टनर की सफलता से पुरुषों का आत्म सम्मान नकारात्मक रूप से प्रभावित होता है। यहां तक पत्नी की सक्सेज से आपसी रिश्ते पर भी खतरा मंडराने लगता है। हालांकि ऐसा केवल करियर में सफलता के कारण नहीं होता है। इसमें तमाम सारी चीजें जैसे फिजिकल फिटनेस गोल्स, पर्सनल ग्रोथ भी शामिल है। यह पुरुषों के मेल ईगो को हर्ट करता है। जब पत्नी अपने पति से ज्यादा कमाने लगती है तो ज्यादातर पति कहीं न कहीं असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। लेकिन वह अपने पार्टनर को यह बात सीधे तौर पर बताने की

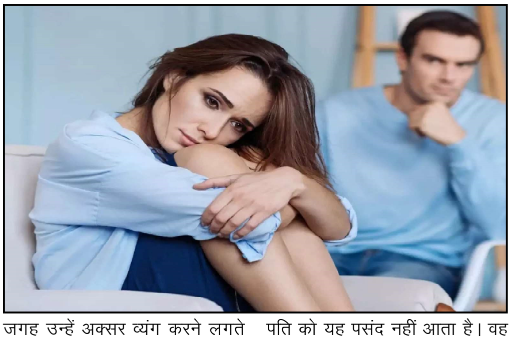

जगह उन्हें अक्सर व्यंग करने लगते हैं। अगर आपके भी पति गुस्से या मजाक में हर बात को आपके करियर, सैलरी या सोशल लाइफ या लाइफस्टाइल को टारगेट करते हैं तो इसका सीध मतलब यही है कि वह आपसे जलन की भावना रखते हैं। सबकी लाइफ के अपने गोल्स और अपने सपने होते हैं। हालांकि शादी के बाद ज्यादातर औरतों के लिए इन्हें पूरा कर पाना बहुत मुश्किल होता है। महिलाओं के लिए उनके अपने सपने पति, घर और बच्चों के बाद आते हैं। इसके बाद भी अगर कोई महिला हिम्मत और मेहनत से अपने लक्ष्यों को पूरा करने का प्रयास करती है तो उनके पति को यह पसंद नहीं आता है। वह फौरन इसे फालतू करार दे देते हैं। यदि आपके साथ भी ऐसा होता है तो आपके पति को भी आपसे इनसिक्योरिटी हो सकती है। हमारे समाज में महिलाओं की आजादी को लेकर ज्यादातर पुरुष बहुत असुरक्षित महसूस करते हैं। पुरुषों को कम सवाल–जवाब करने वाली महिलाएं ज्यादा पसंद होती हैं। जिन्हें वह अपने हिसाब से इस्तेमाल कर सकें। ऐसे में अगर उनकी पत्नी उनसे ज्यादा तेज और सफल है तो वह अपने गुस्से को छिपा नहीं पाते हैं। वह हमेशा अपनी पत्नी को कंट्रोल करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते हैं। कई बार वह यहां तक कह देते हैं कि वह नासमझ हैं या फिर घर और ऑफिस ढंग से संभाल नहीं सकती हैं। अगर आपका पार्टनर भी आपकी बातों का उल्टी–सीधा मतलब निकालता है तो यह इस बात का संकेत है कि वह आपकी कंफर्ट या सफलता से इन्सिक्योर है। जैसे अगर वह आपसे पूछते हैं कि आज ऑफिस में आपका दिन कैसा रहा। इसके जवाब में अगर आपने बताया कि ऑफिस में आपके काम की तारीफ हुई आपने काफी इंज्वॉय किया तो वह इसका यह भी मतलब निकाल सकते हैं कि आप उन्हें बुरा या नीचा दिखाने का प्रयास कर रही हैं। अगर आपका पति आपको हर बात पर ताने मारने लगे या फिर रिश्ते को लेकर शिकायत करने लगे तो हो सकता है कि वह आपके काम या सक्सेज से खुश न हों। कई बार पुरुष ऐसा तब करते हैं जब उन्हें लगता है कि वह आप पर से अपना कंट्रोल खो रहे हैं। वह रिश्ता खराब होने के लिए आपको जिम्मेदार ठहराने लगते हैं। इसी कारण कई बार महिलाओं को रिश्ते या करियर में से किसी एक को चुनना पड़ता है।

कटहल खाने से सेहत को मिलते हैं ये बेमिसाल फायदे

एजेंसी

कटहल एक ऐसी सब्जी है, जिसे अधिकतर लोग खाने से बचते हैं। जबकि वास्तव में यह न्यूट्रिशन का एक पावर हाउस है, जिसके सभी प्रमुख माइक्रो–न्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं। आमतौर पर, कटहल की सब्जी को कई अलग–अलग तरीकों से बनाया व खाया जाता है। अगर आप वेजिटेरियन हैं तो ऐसे में यह मीट का एक बेहतरीन अल्टरनेटिव ऑप्शन भी हो सकता है। हो सकता है कि अब तक आप इस सब्जी को खाने से बचते हैं, लेकिन आज इस लेख में हम आपको कटहल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें जानने के बाद आप कभी भी इसे खाने से कतराएंगे नहीं– यदि आपको हाई बीपी की समस्या है तो ऐसे में आपको कटहल का सेवन करना चाहिए। कटहल में फ्लेवोनोन्स की मात्रा अधिक होती है, जो न केवल रक्तचाप को कम करने में मदद करता है, बल्कि ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी सामान्य बनाए रखने में मदद करता है। कटहल का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है जो आपके यह आपके ब्लड में शुगर लेवल शर्करा को बढ़ने से रोकने में मदद करता है। यह डायटरी फाइबर का एक अच्छा स्रोत हैं। ऐसे में एक डायबिटीज पेशेंट कटहल का सेवन करके अपनी हेल्थ का ख्याल रख सकता है।

क्या आप भी फेंक देते हैं खीरे के छिलके ? तो जानें बिना छीले इसे खाने के कई फायदे

एजेंसी

गर्मियों का मौसम आते ही लोग अपनी डाइट में ऐसे फूड आइटम्स शामिल करने लगते हैं, जो उन्हें इस सीजन में स्वस्थ रखे। इस मौसम में न सिर्फ शरीर में ठंडक बनाए रखना जरूरी है, बल्कि पानी की पूर्ति करते रहना भी बेहद जरूरी है। गर्मी में कई सारे ऐसे फल मिलते हैं, जिन्हें अपनी डाइट में शामिल कर आप शरीर में पानी की कमी से बच सकते हैं। खीरा इन्हीं फलों में से एक है। गर्मियों में खीरा खाने से कई सारे फायदे मिलते हैं। लेकिन ज्यादातर लोग खीरा खाते समय इसके छिलके निकालकर फेंक देते हैं। कई लोगों का मानना है कि छिलके हमारे लिए किसी काम के नहीं होते, इसलिए वह इन्हें निकालकर फेंक देते हैं। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से एक हैं, तो आज हम आपको बताएंगे छिलके के साथ खीरा खाने के फायदों के बारे में– अगर आप अक्सर कब्ज की समस्या से परेशान रहते हैं, तो छिलके के साथ खीरा खाना फायदेमंद होगा। दरअसल, खीरे के छिलके में मौजूद अघुलनशील फाइबर कब्ज को दूर करने में सहायक होते हैं। साथ ही यह बॉवेल मूवमेंट को तेज करता है और पेट साफ करने में भी काफी मददगार है। अगर आप अपना वजन कम करने के लिए कोई बेहतर तरीका ढूंढ रहे हैं, तो इसके लिए छिलके वाले खीरे का सेवन करें। अगर आप छिलकों के साथ खीरे का सेवन करते हैं, तो इससे मेटाबॉलिज़्म बेहतर होता है और क्रेविंग भी कंट्रोल होती है। फाइबर और रफेज से बिना छीले खीरे को खाने से आपका पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। खीरा के छिलकों में मौजूद एस्कॉर्बिक एसिड त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह न सिर्फ स्किन को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाता है, बल्कि स्किन एजिंग को भी कंट्रोल करता है। इसके अलावा इसकी मदद से कोलेजन प्रोडक्शन भी तेज होता है। खीरे के छिलकों में विटामिन । यानी कि बीटा–कैरोटीन पाया जाता है, जो हमारी आंखों के लिए काफी फायदेमंद होता है। ऐसे में छिलके वाले खीरे को खाने को खाने से आंखों की रोशनी तेज होती है और आंखें भी हेल्दी रहती है।

दिल टूटने पर क्यों होता है दर्द का अहसास? जानें क्या है ब्रेकअप पेन के पीछे का साइंस

एजेंसी

प्यार एक ऐसा अहसास है, जो व्यक्ति को खुशी और उत्साह का अनुभव कराता है। किसी के प्यार में पड़ने वाला व्यक्ति अपने अंदर एक साथ कई सारी भावनाओं को महसूस करता है। वह खुश होता है, अपने साथी के साथ हंसता–मुस्कुराता है और छोटी सी बात पर नाराज या परेशान भी हो जाता है। किसी व्यक्ति में प्यार की भावना जितनी प्रबल होती है, उतनी ही तीव्र बिछड़ने का अहसास होता है। अक्सर किसी रिश्ते के टूटने या साथी के अचानक चले जाने से होने वाला दर्द काफी भयावय होता है। हमने अक्सर अपने आसपास ऐसे लोग देखे होंगे, जो ब्रेकअप के बाद पूरी तरह से टूट जाते हैं। उनके लिए यह दुख न सिर्फ मानसिक, बल्कि शारीरिक रूप से भी काफी दर्दनाक होता है। लेकिन दिल टूटने या साथी के जाने से आखिर इतना दर्दनाक अनुभव क्यों होता है। इंग्लैंड की प्रसिद्ध डॉक्टर डॉ. देबोराह ली ने इसके पीछे का साइंटफिक रीजन बताया है। तो चलिए जानते हैं ब्रेकअप की वजह से होने वाले दर्द के पीछे के साइंस के बारे में– डॉ ली के मुताबिक ष्जब व्यक्ति को किसी के लिए प्यार का अहसास होता है, तो शरीर में हार्मोन्स का प्रवाह होता है। श्कडलश हार्मोन

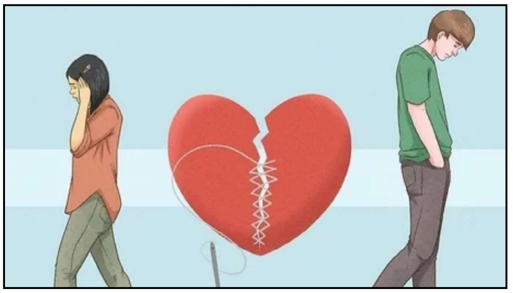

ऑक्सीटोसिन और 'फील–गुड' हार्मोन डोपामाइन की वजह से व्यक्ति प्यार में खुशी और उत्साह का अनुभव करता है। लेकिन जैसे ही उसका ब्रेकअप होता है या दिल टूटता है, तो ऑक्सीटोसिन और डोपामाइन का स्तर गिर जाता है। साथ ही तनाव के लिए जिम्मेदार हार्मोन में से एक कोर्टिसोल के स्तर में वृद्धि होने लगती है, जिसकी वजह से दुख और दर्द का अनुभव होता है। चिकित्सा विशेषज्ञ के अनुसार, बढ़ा हुआ ये कोर्टिसोल हार्मोन हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, मुंहासों और चिंता जैसी समस्याओं की वजह बन सकता है। इसके अलावा साथी के साथ संबंध टूटना या फिर सोशल रिजेक्शन की वजह से शारीरिक दर्द से जुड़े मस्तिष्क के क्षेत्र भी सक्रिय हो जाते हैं ,जिसकी वजह से दर्द का अहसास होता है।

पेट की चर्बी कम करने के लिए प्लैंक के साथ इन योगासनों को भी माना जाता है लाभदायक

एजेंसी

पेट की चर्बी यानी बेली फैट आपके पूरे लुक को खराब कर देती है। इसके साथ ही सेहत के लिए भी नुकसानदायक होती है। लोग पेट की चर्बी कम करने के लिए तरह तरह के उपाय करते हैं। डाइटिंग से लेकर जिम में पसीना बहाने तक कई तरह के उपायों को अपनाकर अक्सर लोग पेट की चर्बी को कम करने का प्रयास करते हैं लेकिन यह प्रक्रिया इतनी आसान नहीं होती। ऐसे में लोग वह उपाय तलाशते हैं जिसमें अधिक मेहनत किए बिना जल्दी बेली फैट को कम किया जा सके, साथ ही सेहत पर भी कोई बुरा प्रभाव न पड़े। इसके लिए योगासन बेहतर विकल्प है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक,

कुछ आसान और खास योगासन के नियमित अभ्यास से बेली फैट की समस्या से निजात पाया जा सकता है। इन योगासन को करने से पेट की चर्बी तो कम होती ही है, साथ ही कब्ज, सूजन, अपच जैसी पेट संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। चलिए जानते हैं पेट की चर्बी कम करने वाले लाभकारी योगासन के बारे में। वजन कम करने और पेट की चर्बी को घटाने के लिए भुजंगासन का अभ्यास फायदेमंद है। इस आसन के अभ्यास से पेट की मांसपेशियां मजबूत होती है, जिससे पेट के आसपास की चर्बी को आसानी से कम कर सकते हैं। साथ ही रीढ़ की हड्डी की समस्या से पीड़ितों को भी इस योगासन से लाभ मिलता है। सर्वाइकल की समस्या में भी आराम मिलता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पेट के बल लेट कर अपनी हथेलियो को कंधों के नीचे रखें। गहरी सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की ओर उठाएं और करीब 10 से 20 सेकंड्स तक इसी स्थिति में रहें। फिर सामान्य पोजीशन में आ जाएं। प्लैंक पोज को फलकासन कहते हैं। पेट की चर्बी को कम करने के लिए इस योगासन का अभ्यास सबसे कारगर होता है। योग विशेषज्ञों के मुताबिक, प्लैंक योगासन का अभ्यास करने से कैलोरी बर्न होती है। नियमित इस योगासन को अभ्यास करने से कोर स्ट्रेंथ, शरीर में लचीलापन और मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है। इस आसन को करने के लिए उत्तानासन की स्थिति में आ जाएं। अब दाएं और बाएं पैर को पीछे की तरफ ले जाएं। दोनों हथेलियों पर शरीर को उठा लें और पंजों पर पूरा भार दें। शरीर को सीधा रखने की कोशिश करें।

करीना कपूर के हाथ से निकली सलमान खान की बजरंगी भाईजान 2!

इस साउथ एक्ट्रेस ने मारी बाजी

एजेंसी

साल 2015 में आई सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म बजरंगी भाईजान ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। साल 2021 में सलमान खान ने अपनी सुपरहिट फिल्म बजरंगी भाईजान के सीक्वल का ऐलान किया था। बताया जा रहा है कि बजरंगी भाईजान के सीक्वल का नाम पवन पुत्र भाईजान रखा गया है। फिल्म के सीक्वल को लेकर अब एक नया अपडेट सामने आया है। साल 2015 में आई बजरंगी भाईजान में सलमान खान के अलावा करीना कपूर, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और हर्षाली मल्होत्रा अहम रोल में नजर आए थे। मगर बजरंगी भाईजान के सीक्वल को लेकर जो नई अपडेट सामने आई है उसके मुताबिक, करीना कपूर खान को इस फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया है। करीना की जगह साउथ की एक एक्ट्रेस को फिल्म में कास्ट किया गया है। आरआरआर फिल्म के राइटर विजयेंद्र प्रसाद सलमान की फिल्म के सीक्वल की कहानी पर काम कर रहे हैं। वहीं, अब खबर है कि करीना कपूर की जगह साउथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े को फिल्म की लीड एक्ट्रेस के रोल में कास्ट कर लिया है। हालांकि अभी तक इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है कि पूजा फिल्म में नए रोल में दिखेंगी या फिर वो करीना के ही रोल में दिखाई देंगी। वहीं, फिल्म से जुड़े एक सूत्रों ने करीना को रिप्लेस करने के बारे में बात करते हुए कहा, फिल्म का टाइटल पवन पुत्र तो सही है। लेकिन बाकी बातें ख्याली पुलाव हैं। जब अभी कोई स्क्रिप्ट ही नहीं है तो एक्टर्स को कैसे रिप्लेस किया जा सकता है? सीक्वल फिलहाल प्रोडक्शन स्टेज तक भी नहीं पहुंचा है। ऐसे में करीना को पूजा से रिप्लेस करने की अभी संभावना भी नहीं है। एक और बात क्या करीना को ऐसा लगता है कि उनकी जगह कोई और ले सकता है? खास बात ये है कि साउथ की जानी–मानी एक्ट्रेस पूजा हेगड़े और सलमान खान फिल्म किसी का भाई किसी की जान में साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में पहली बार पूजा और सलमान की जोड़ी दर्शकों को बिग स्क्रीन पर देखने को मिलने वाली है। ये फिल्म 21 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शादी के बाद ऑफिशियली केन्या में शिफ्ट हुई दलजीत कौर ने शेयर की पति संग तस्वीरें, ससुराल पहुंच दी अपडेट

एजेंसी

टीवी एक्ट्रेस दलजीत कौर इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर काफी सुर्खियों में छाई हुई है। हाल ही में उन्होंने एनआरआई बिजनेसमैन निखिल पटेल संग शादी रचाई हैं जिसकी कई तस्वीरें अबतक इंटरनेट के गलियारों में छाई हुई हैं। और ना सिर्फ शादी की बल्कि उनके प्री–वेडिंग फंक्शन्स की भी कई तस्वीरें लोगो द्वारा काफी पसंद की जा रही हैं। तो वही अब अपने फैंस को अपनी लेटेस्ट अपडेट देती हुई दलजीत ने हाल ही में कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया द्वारा शेयर की हैं। जिसमे वह अपनी लेटेस्ट अपडेट देती हुई नजर आ रही हैं। शादी के बाद दलजीत कौर अपने पति के साथ ऑफिशियली केन्या में शिफ्ट हो गई हैं जहा उनका बेटा जायडन और निखिल की दोनों बेटियों संग दलजीत और निखिल अपने नए जीवन की शुरुआत करेंगे। एक्ट्रेस ने वहां से अपनी कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। सामने आई तस्वीरों में दलजीत को पति निखिल संग काफी मस्ती करते हुए देखा जा सकता है। एक फोटो में साइकलिंग के बाद हेलमेट पहने पति के साथ पोज देती दलजीत की चेहरे की चमक उनकी खुशी का साफ तौर पर सबूत दे रही हैं। तो बाकी फोटोज में वह जिम में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए दलजीत कौर ने कैप्शन में लिखा है, "आज ऑफिशियल केन्या में मूव हो गई. बहुत सारा पागलपन हो... ज्यादा हंसी हो... बहुत सारी खूबसूरत यादें हों... जादू शुरू होने दो." उनकी ये सभी तस्वीरें बता रही हैं कि वह अपने इस नए जीवन की शुरुआत से कितनी खुश और खिली–खिली सी हैं। अभी तो भले ही दलजीत कौर केन्या में शिफ्ट हो चुकी हैं लेकिन इससे पहले एक्ट्रेस पति निखिल पटेल के साथ बैंकोक में हनीमून एंजॉय करने गई थीं, जिसकी तस्वीरें और रील्स उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर की थी जो बाद मे खूब वायरल हुई थीं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा पर जल्द बनने वाली है फिल्म, शो के प्रोड्यूसर ने किया बड़ा ऐलान

एजेंसी

सब टीवी का फेमस शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा आज किसी भी पहचान का मोहताज नहीं हैं। इस सीरियल ने घर–घर में अपनी इस कदर पहचान बनाई है की जितना शो में कास्ट होने वाले करैक्टर के रियल नाम को जानते होंगे या नहीं लेकिन शो के उस करैक्टर के नाम से पूरी तरह से वाकिफ होंगे। भले ही शो के कई मुख्य या कहे तो नामी–जामी चहेरे ने इस शो को अब हमेशा के लिए अलविदा कह दिया हो। लेकिन शो आज भी उतना ही चर्चित हैं। ऐसे में अब तारक मेहता को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही हैं। दरअसल शो के निर्माता–निर्देशक कहे जाने वाले असित मोदी आए दिन तारक मेहता सीरियल को लेकर कुछ बड़े खुलासे करते रहते हैं। ऐसे में अब असित मोदी ने शो को लेकर एक और बड़ा बयान दे दिया हैं। शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी ने मीडिया से बातचीत में बताया है कि वो श्तारक मेहता का उल्टा चश्मा यूनिवर्स क्रिएट करने का सोच रहे हैं। असित मोदी ने एक मीडिया ग्रुप को दिए इंटरव्यू में यह कहते दिखे है की–हमारे इस शो को दर्शक बीते 15 सालों से दिल खोलकर प्यार दे रहे हैं।

फतेह की शूटिंग से पहले सोनू सूद संग जैकलीन फर्नांडिज ने गुरुद्वारे में टेका मत्था

एजेंसी

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिज बीतें काफी टाइम से महाठग चंद्रशेखर संग अपने रूमर्ड अफेयर को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। सुकेश लगातार जेल से एक्ट्रेस के नाम चिट्ठी लिख रहा है एक बार फिर सुकेश ने जैकलीन के नाम खत लिखा है मगर सुकेश के इन लेटर्स का एक्ट्रेस पर कोई असर नही पड़ता है। इस बात का इशारा उन्होंने अपनी लेटेस्ट पोस्ट से दे दिया है। जैकलीन फर्नांडिज का पूरा फोकस इन दिनों अपने काम पर है। एक्ट्रेस ने अपनी आगामी फिल्म फतेह की शूटिंग शुरु कर दी है जिस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने चाहने वालों के साथ शेयर की है। फिल्म के लीड एक्टर सोनू सूद के साथ जैकलीन फिल्म की शूटिंग पंजाब के अमृतसर में कर रही हैं। शूटिंग से पहले दोनों ने गुरुद्वारा जाकर मत्था टेका। जैकलीन फर्नांडिज ने इंस्टाग्राम पर तीन तस्वीरें शेयर की है जिसमें एक्ट्रेस के साथ सोनू सूद के साथ दिखाई दे रहे हैं। पहली तस्वीर में दोनों गुरुद्वारे में नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीर में सोनू सूद बाइक पर बैठे हैं तो जैकलीन उनके साथ पोज देती नजर आ रही हैं। तीसरी फोटो में जैकलीन सिर पर पल्लू डाले बेहद खूबसूरत लग रही हैं। अपनी इस पोस्ट के शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, श्फतेह की शूटिंग का पहला खूबसूरत दिन। इस पोस्ट के साथ एक्ट्रेस ने सोनू सूद को टैग किया था। इस पोस्ट को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं और जमकर अपने रिएक्शन भी दे रहे हैं। ज्यादातर सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें फिल्म की शूटिंग के लिए बधाई दे रहे हैं। बता दें कि फतेह एक साइबर क्राइम पर आधारित फिल्म है। इसकी कहानी सच्ची घटना से प्रेरित है। सोनू सूद काफी वक्त से इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक,
जमाल मिर्जा
द्वारा सांई प्रिन्टिंग प्रेस 20–ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज, लखनऊ से मुद्रित तथा 390/173, रूस्तम नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
सम्पादक
उरूज फातिमा
mob. 9235887649,9889011649
sajjad_times@rediffmail.com
Web: sajjadtimes.com
सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।